



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० ४

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 26, 1980 (माघ 6, 1901)

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 26, 1980 (MAGHA 6, 1901)

इस भाग में अधिकार संलग्न द्वारा जारी होने वाले नियमों की विवरण दिए गए हैं।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम
न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितरनियमों
विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से
सम्बन्धित अधिसूचनाएं

91

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम
न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी
अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,
छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

87

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की
गई विधितरनियमों, विनियमों, आदेशों
और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

3

भेग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की
गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,
छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

111

भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियम, अध्यादेश और
विनियम

—

भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी
प्रवर समितियों की रिपोर्टें

—

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i) —(रक्षा मंत्रालय
को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों
और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को
छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी
किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी

1—421 GI/79

किए गए माध्यारण नियम (जिसमें
साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम
आदि सम्मिलित हैं)

पृष्ठ

159

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय
को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों
और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को
छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि
के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए
आदेश और अधिसूचनाएं

20

भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रधि-
सूचित विधिक नियम और आदेश

59

भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक
सेवा आयोग रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों
और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न
कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

861

भाग III—खण्ड 2—एकस्ब कार्यालय, कलकत्ता
द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस

33

भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या
उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं

11

भाग III—खण्ड 4—विधिक नियमों द्वारा जारी
की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि-
सूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस
शामिल हैं

749

भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-
सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस

11

CONTENTS

PART I—SECTION 1. —Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE	PAGE	
PART I—SECTION 2. —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	91	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) PART II—SECTION 3. —Sub.Sec. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	159 203
PART I—SECTION 3. —Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	3	PART II—SECTION 4. —Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	59
PART I—SECTION 4. —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	111	PART III—SECTION 1. —Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	861
PART II—SECTION 1. —Act, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2. —Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	33
PART II—SECTION 2. —Bills and Reports of Select Committee on Bills	—	PART III—SECTION 3. —Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	11
PART II—SECTION 3. —SUB. SEC. (1).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4. —Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	749
		PART IV— Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	11

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० ९-प्र०/८०—राष्ट्रपति गुजरात पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री वर्जेसिंग कालूबाबा राणा,
निश्चन्त्र पुलिस कांस्टेबल,
बड़ौदा सिटी,
गुजरात।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

25 जुलाई, 1978 को बड़ौदा शहर के निश्चन्त्र कांस्टेबल श्री वर्जेसिंग कालूबाबा राणा को सूचना मिली कि अभ्यस्त और कुश्यत संधारार चोर, चन्द्र ईश्वर, सत्यनारायण हनवा कहर, दिलीप गनपत और अन्य तुलसीवादी क्षेत्र में छिपे हुए हैं। बिना समय खोय दो और कांस्टेबलों को साथ लेकर श्री राणा 5 बजे तुलसीवादी क्षेत्र में पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे लेकिन श्री राणा ने उन्हें अपने स्थान से न हिलने की जेतावनी दी। संदिग्ध व्यक्तियों ने तब श्री राणा को घेर कर उनके साथियों से अलग कर दिया और अधिक निकलने का प्रयत्न किया। श्री राणा ने उनका पीछा करना शुरू किया लेकिन सत्यनारायण हनवा कहर ने चुपके से एक रामपुरी चाकू निकाला और उसे चार-पाँच बार श्री राणा के पेट में चौंपा। अपराधी फिर भाग गए लेकिन बाव में उनमें से आर को पुलिस न पकड़ लिया। श्री राणा को अस्पताल ले जाया गया। लम्बे इलाज के बाद वे स्वस्थ हुए।

इस मुठभेड़ में श्री वर्जेसिंग कालूबाबा राणा ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए अनुकरणीय साहस, वीरता और कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी विनांक 2 अप्रैल, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 10-प्र०/८०—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री सूरज प्रसाद पांडेय,
पुलिस उप-निरीक्षक,
देवरिया,
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

2 अप्रैल, 1976 को लगभग 19.00 बजे उप-निरीक्षक सूरज प्रसाद पांडेय को सूचना मिली कि डाकू तारा का गिरोह जिला देवरिया के गांव मुरार छप्पर में डा० बंसराज के मकान में डकेती डालने वाला है। श्री पांडेय ने थाने में उपलब्ध पुलिस दल को तुरन्त एकित्त किया। कुछ स्थानीय बन्दूक लाइसेंसधारियों की भी सहायता ली। फिर श्री पांडेय गांव मुरार छप्पर की तरफ बढ़े और स्थिति का जायजा लेने के बाद पुलिस दल को विभाजित किया और उन्हें यथा स्थान तैनात कर दिया। लगभग 22.00 बजे 11 डाकू एकत्र हुए। श्री पांडेय ने डाकुओं को आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा और क्षेत्र में रोपानी करने के लिए अपनी बेरी लाईड पिस्टौल से कई रोटे भी चलाए। चेतावनी की परवाह न करते हुए डाकुओं ने पुलिस दल पर गोलियां चलाई। श्री पांडेय घायल हो गये किन्तु अपनी चोटों की परवाह न करते हुए उन्होंने अपने साथियों को डाकुओं पर गोली चलाने का आदेश दिया। इस दृढ़ कार्यवाही के फलस्वरूप गिरोह के नेता, तारा समेत तीन डाकू भारे गये। शेष बच निकले। एक ढी० बी० बी० एल० बन्दूक 3 देसी पिस्टौल, एक हथगोला और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया। मुठभेड़ के दौरान श्री पांडेय के शरीर के विभिन्न अंगों पर 19 छाँड़े लगे।

इस मुठभेड़ में श्री सूरज प्रसाद पांडेय ने उत्कृष्ट वीरता, साहस, पहल शक्ति एवं कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी विनांक 2 अप्रैल, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 11-प्रेज/80—राष्ट्रपति गुजरात के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री शिवशंकर मनीलाल दूधवाला,
निशस्त्र पुलिस कांस्टेबल,
बी० संख्या 1087, सूरत,
गुजरात ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

28 अगस्त, 1978 को लगभग 12.45 बजे दो संदिग्ध व्यक्ति बम्बई हाऊस अपार्टमेंट, सूरत में घुस गए और फ्लैट नं० 805 का कुण्डा तोड़ दिया तथा फ्लैट नं० 806 का ताला भी खोल दिया । इसी दौरान दूसरे फ्लैट का मालिक आ गया और उसने संदिग्धों में से एक को पकड़ लिया किन्तु दूसरे ने पिस्तौल दिखा कर अपने साथी को छुड़ा लिया और भाग गये । अपार्टमेंट के लिंक्टमैट ने संदिग्धों को ललकारा और उनका पीछा भी किया किन्तु उनमें से एक ने उस पर गोली चला दी । जनता भी अपार्टमेंट के निकट एवं वहाँ हो गई किन्तु संदिग्ध बच निकलने में सफल हो गए । 11 नवम्बर, 1978 को जब श्री शिवशंकर मनीलाल थूंध याला सूरत में सालाबातपुरा थोक में समन तामील करने के लिए जा रहे तो उन्होंने उक्त फरार संदिग्धों में से एक को देखा । संदिग्ध ने अपनी पिस्तौल श्री शिवशंकर मनीलाल की तरफ तान दी किन्तु वे विचलित नहीं हुए और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए उन्होंने उसे दबोच लिया और उस पर काबू पा लिया ।

इस कार्रवाई में श्री शिवशंकर मनीलाल दूधवाला ने संदिग्ध को पकड़ने में उत्कृष्ट वीरता और साहस का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 नवम्बर, 1978 से दिया जाएगा ।

सं० 12-प्रेज/80—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद
श्री के० के० मुकन्दन,
कांस्टेबल संख्या 710570947,
22वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।

श्री गुरचरण सिंह,
कांस्टेबल संख्या 670223627,
22वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

23 मई, 1979 को हार्ड कोर मिजो नेशनल फंट के 21 विचारणाधीन कैदियों को एजल न्यायालय की जेल की गाड़ी में ले जाया जा रहा था । पूर्वाह्न लगभग 11.15 बजे जब देवरपुरी गिरजाघर के समीप बड़ा बाजार में मोड़ पार करने के लिए गाड़ी को धीमा किया गया तो मिजो भाषा में पूर्व-निश्चित संकेत पर सभी विचारणाधीन कैदियों ने अनुरक्षी बल के लोगों की आंखों में लाल-मिठां का चूरा फैक कर उन्हें अस्थायी रूप से निष्क्रीय कर दिया । विचारणाधीन कैदियों ने कांस्टेबलों में से दो को कैदी कक्ष में बसीट लिया और उनकी भरी हुई राशफले छीन लीं । वे अनुरक्षी दल के सदस्यों पर गोली चलाने लगे जिसके फलस्वरूप मिजो-रम पुलिस के एक कांस्टेबल की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई और केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के चार सिपाही गम्भीर रूप से जलमी हो गये । कांस्टेबल के० के० मुकन्दन और गुरचरण सिंह अपने जीवन के सन्निकट खतरे की परवाह न करते हुए, गाड़ी से बाहर कूद पड़े और मोर्चा संभाला । सिपाही मिलखा सिंह पुलिस/जेल प्राधिकारियों को तुरन्त सूचित करने के लिए गया । श्री मुकन्दन और श्री गुरचरण सिंह ने विचारणाधीन कैदियों पर नियंत्रित ढंग से गोली छलाई ताकि इससे उनके अपने ही साथी मारे न जायें । केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के दो कर्मचारियों ने विचारणाधीन कैदियों को तब तक गोलीबारी में व्यस्त रहा जब तक कि कुमुक न पहुंच गई । विचारणाधीन कैदियों को निरस्त्र करके उनको दुवारा हिरासत में ले लिया गया ।

इस कार्रवाई में श्री के० के० मुकन्दन और श्री गुरचरण सिंह दोनों कांस्टेबलों ने अपने जीवन को खतरे में डालकर उच्च कोटि के साहस, प्रशंसनीय सूझ-बूझ, कर्तव्य परायणता एवं वीरता का परिचय दिया ।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 23 मई, 1979 से दिया जाएगा ।

सं० 13-प्रेज/80—राष्ट्रपति गुजरात पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री कलेसिंह भूपतजी परमार, (स्वर्गीय)
निशस्त्र पुलिस कांस्टेबल,
बी० संख्या 3988, अहमदाबाद सिटी,
गुजरात ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

2/3 मार्च, 1979 की रात्रि को निशस्त्र पुलिस कांस्टेबल श्री फतेसिंह भूपतजी परमार दो अन्य कांस्टेबलों के साथ बाईसिकिलों पर अपने इलाके में गश्त संग रहे थे । रात को 1.30 बजे गोपालकुंज सोसाइटी के नजदीक पहुंचे तो उन्होंने

तीन व्यक्तियों को दो साईकिलों पर दूसरी तरफ से आता हुआ देखा। उन्हें जब ललकारा गया तो वे भाग खड़े हुए। पुलिस कांस्टेबलों ने उनका पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। तीनों व्यक्तियों को घातक हथियारों से लेस पाया गया। लेकिन इसकी परवाह न करते हुए तीनों पुलिस कांस्टेबल अपराधियों से जुझते रहे। इसी बीच उनमें से एक नामी अपराधी, जीतेन्द्रसिंह किशनसिंह, जो पहले पांच बार सजा पा चका था, ने एक रामपुरी चाकू निकाला और उसे कांस्टेबल फतेसिंह भूपतजी के सीने में धौप विया तथा अन्य दो कांस्टेबलों को भी जखमी कर दिया। तीनों कांस्टेबल अपने जख्मों की परवाह न करते हुए सशस्त्र अपराधियों के साथ संघर्ष करते रहे और उनको काशू में कर लिया। श्री फतेसिंह भूपतजी परमार ने सशस्त्र नामी अपराधियों को पकड़ने में प्रशंसनीय कार्य किया। अपराधियों को गिरफ्तार करने के बाद फतेसिंह भूपतजी जमीन पर गिर पड़े क्योंकि उनके घावों से अत्यधिक रक्त बह गया था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चोटों के कारण वे बीर गति को प्राप्त हो गये।

इस कार्रवाई में श्री फतेसिंह भूपतजी परमार ने उत्कृष्ट वीरता, साहस का परिचय दिया और कर्तव्य की वेदी पर अपने जीवन को बलिदान कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 मार्च, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 14-प्रेज/80—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के नियमावली के अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहूर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री सतपाल सिंह,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
(अब पुलिस उप-निरीक्षक),
केन्द्रीय जिला विशेष दस्ता,
दिल्ली।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

5 मार्च, 1979 को दिल्ली के केन्द्रीय विशेष दस्ते को सूचना दी गई कि कुछ कुच्छात अपराधी 25,000 रुपये फिरीती के रूप में मांग रहे हैं और नई दिल्ली के संबंधित व्यक्ति साऊथ एक्सटेंशन में मोती महल डिलक्स रेस्टोरेंट में 10,000 रुपये देने के लिये सहमत हो गया है। श्री श्रीमद दत्त निरीक्षक के प्रभार में एक छापामार दल अपराधियों को पकड़ने के लिए भेजा गया। सांय लगभग 7.00 बजे एक अपराधी दो पहिये के एक स्कूटर पर आया और व्यक्ति विशेष से फिरीती की राशि देने के लिये कहा। उस व्यक्ति ने छापामार दल को संकेत किया और अपराधी को पकड़ लिया गया। उसके द्वारा दी गई सूचना के आधार पर छापामार दल के प्रभारी निरीक्षक ग्रेटर कैलाश गये जहां कि

अन्य अपराधियों के छिपे होने की आशंका थी। उन्होंने श्री ज्ञान चन्द्र पुलिस निरीक्षक और श्री सतपाल सिंह पुलिस सहायक उप-निरीक्षक को दो हैंड कांस्टेबलों के साथ बहां पर छोड़ दिया। लगभग 20 मिनट पश्चात् दूसरा अपराधी रेस्टोरेंट में आया और लोगों से पूछा कि चरण सिंह को पुलिस ले गई है। यह सुनने पर, श्री ज्ञान चन्द्र, निरीक्षक और हैंड कांस्टेबल ने नवागन्तुक को पकड़ लिया बाद में जिसे नागरा शिनास्त किया गया जो एक कुच्छात ठग था। पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर, नागरा ने अपने साथियों को, जो बाहर एक कार में बैठे हुए थे, आवाज लगाई कि वे पुलिस दल पर गोलियां चलायें क्योंकि उसको भी पकड़ा लिया गया है। तब एक व्यक्ति कार से बाहर आया और . 303 राइफल से रेस्टोरेंट की ओर अंधाधुंध गोली चलाने लगा। खतरे की आशंका होने पर निरीक्षक ज्ञान चन्द्र और हैंड कांस्टेबल जगतार सिंह श्री सतपाल को बहां अकेले छोड़कर अपराधी को रेस्टोरेंट के अन्दर ले गये। श्री सतपाल सिंह ने जो एक कार में बैठे हुए थे, ड्राइवर से उस कार की उस कार के साथ खड़ी करने के लिए कहा जिसमें दूसरे तीन अपराधी बैठे थे और अपने साथियों को छुड़ाने के लिए एकत्रित भीड़ तथा आसपास की इमारतों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहे थे। अपनी कार अपराधियों की कार के निकट खड़ी करने के पश्चात् श्री सतपाल सिंह ने अपराधियों से आस्म-समर्पण करने के लिये कहा। फिर भी अपराधियों ने श्री सतपाल सिंह पर गोली चलानी शुरू कर दी। गोलियां कार की खिड़की के शीशे में लगी और उसे अतिग्रस्त कर दिया। तस्वीरात् अपराधियों में से एक जो रेस्टोरेंट की ओर गोली चला रहा था, कार में जा बैठा और श्री सतपाल सिंह पर गोली चलाने लगा। श्री सतपाल सिंह विचलित नहीं हुए और उन्होंने अपनी रिवाल्वर से तीन रौंद चलाये। इसके बाद उन्होंने कार के पीछे मोर्चा संभाला और अपने लिए खतरे की परवाह किये बिना और तीन रौंद चलाये। श्री सतपाल सिंह ने फिर अपनी स्थिति को बदला और एक निकटवर्ती इमारत के एक खम्बे के पीछे मोर्चा संभाला और उन्हें ललकारा। अपराधियों में से एक पुनः कार से बाहर आया और गोली चलाने लगा। इस बीच अपराधियों में से नागरा नामक अपराधी जिसको पुलिस ने पकड़ रखा था, अपने को छुड़ाकर कार में आ बैठा। तब अपराधियों को लेकर कार भाग गई। श्री सतपाल सिंह ने अपराधियों की कार का पीछा किया और भागती हुई कार पर गोलियां चलाई। श्री सतपाल सिंह रिंग रोड-महरौली-रोड और और अंधेरे के कारण कार बच निकली। अगली सुबह इस घटना से संबंधित अपराधियों में से एक अपराधी राजबीर सिंह का शव गांव चिराग-दिल्ली के निकट छोड़ी गई कार से बरामद किया गया।

कुच्छात अपराधियों के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस सहायक उप-निरीक्षक सतपाल सिंह ने अपने जीवन को खतरे में

डालकर उत्कृष्ट वीरता, पहल-शक्ति एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पवक मियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भूता भी दिनांक 5 मार्च, 1979 से दिया जाएगा।

सं 15-प्रेज़े/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नाकृत अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री आर० एन० पांडेय (स्वर्गीय)

पुलिस उप-अधीक्षक
एटा,
उत्तर प्रदेश।

श्री मोहन लाल गौतम (स्वर्गीय)

हैड कास्टेबल स० १३,
मिविल पुलिस,
जिला एटा,
उत्तर प्रदेश।

श्री राम दास, (स्वर्गीय)

कास्टेबल,
४१, मण्डल पुलिस,
जिला बदायू,
उत्तर प्रदेश।

मेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

9 जनवरी, 1978 को प्रातः एटा जिला में सिकन्दरपुर बैंग पुलिस मक्किल में कादरगंज आह्य पुलिस चौकी के प्रभारी श्री मोहन लाल गौतम को सूचना मिली कि डकैत भगवत्त मिहू काछी ने जिसकी डकैती और हत्या के कई मामलों में तलाश है तीन डाके डासे हैं, दो ८/९ जनवरी, 1978 की रात की और एक गंगाघाट पर ९ जनवरी को प्रातः लगभग ६ बजे। श्री गौतम ने उपचब्द पुलिस दल और उस क्षेत्र के कुछ लाइसेन्सधारियों को एकत्र किया और तुरन्त गंगाघाट को गए। माथ ही उन्होंने एटा के पुलिस अधीक्षक को भी सूचना भेज दी। लेकिन श्री गौतम के पहुंचने से पहले ही डकैतों का गिरोह गंगा नदी को पार कर जिला बदायू में प्रवेश कर चुका था। श्री मोहन लाल गौतम ने अपने आविष्यियों के साथ पीछा करने के लिए नदी को पार किया। पुलिस दल का डाकू गिरोह के साथ गंगा नदी के “कातरी” में सामना हुआ। जहाँ पुलिस और आतताईयों के बीच गोली भारी हुई। डाकूओं ने अपने को दो दलों में विभाजित किया और एक दल ने गंगा नदी को पार करके पुनः एटा जिला में प्रवेश किया जबकि मण्डल पुलिस गाड़ी के श्री राम दास ने दूसरे दल का पीछा किया। बदायू की तरफ बचकर भागने वाला गिरोह नगला पठारी ग्राम के नजदीक गन्ने के खेत में छुप गया। कास्टेबल राम दास के नेतृत्व वाले पुलिस दल ने मामीणों की मदद से खेत को घेर लिया और डाकूओं को आत्मसमर्पण के लिए कहा। परन्तु डकैतों ने पुलिस दल

गोनियां चलानी शुरू कर दी। गोलाबारी में श्री राम दास आगे बढ़े और एक डाकू को अपनी गोली से मार डाला। उसके बाद कुछ देर के लिए डाकूओं की तरफ से गोली बांधी रुक गई। श्री राम दास और पुलिस दल के बीच अन्य मध्यस्थीयों ने डाकूओं को ललकारा और अपनी व्यक्तिक सुरक्षा की परवाह न करते हुए वे गन्ने के खेत की ओर बढ़े और इसके साथ ही डाकूओं को आत्म समर्पण करने के लिए कहा। उन्होंने डाकूओं की उपस्थिति का पता लगाया और जब वे उन पर गोली चलाने ही बाले थे, डाकूओं द्वारा चलाई गई गोली के परिणाम स्वरूप उनकी मृत्यु हो गई। इसी दौरान पुलिस उप अधीक्षक श्री आर० एन० पांडेय के नेतृत्व में बदायू जिले के नगला पठारी ग्राम में कुमुक पहुंच गयी। यह महसूस किया गया था कि श्री राम दास आयद अभी तक जीवित हों, श्री आर० एन० पांडेय जो कि कुमुक ना नेतृत्व नह रहे थे कास्टेबल राम दास और उनकी राईकल को लेने के लिए गन्ने के खेत में थुसे। श्री पांडेय, कास्टेबल राम दास तक पहुंचने में सफल हो गये लेकिन उन्होंने उन्हें मत पाया। वे रामदास के शव को उनकी राईकल सहित गन्ने के खेत से बाहर लाए। श्री पांडेय उपलब्ध पुलिस दल के माथ डाकूओं को पकड़ने के लिए पुनः गन्ने के खेत में गये। श्री पांडेय ने उन्हें लजकारा, जिन्होंने पुलिस दल पर अंधाधुन्ध गोलियां चलाना शुरू कर दिया। श्री पांडेय को एक गोती लगी और वे घटनास्थल पर ही धराशाही हो गये। एक डाकू पड़ा गया। इसी दौरान हैड कास्टेबल मोहन लाल गौतम ने जो कि डाकूओं का पीछा कर रहे थे, गंगा नदी को पार करके पुलिस दल को दो भागों में विभाजित कर दिया, जिनमें से श्री गौतम के नेतृत्व वाले दल ने दक्षिण से डाकूओं का पीछा किया और दूसरे ने उत्तर की ओर से उनका पीछा किया। वे बामनपुरा ग्राम के नजदीक डाकूओं तक पहुंच गए और उन्हें ललकारा। श्री गौतम ने डाकूओं को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन डाकू पुलिस पर अंधाधुन्ध गोलीबारी करने लगे। गोलीबारी के बाद श्री गौतम ने कई बार अपने आपको गम्भीर खतरे में डाला। उन्हें कई बार गोलियां लगी जिसके कारण लगभग १२ बजे वे गिर पड़े और घटनास्थल पर ही वीरगति को प्राप्त हो गए। डाकू भाग खड़े हुए लेकिन बाद में उनमें से दो पकड़े गए।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री आर० एन० पांडेय, पुलिस उप-अधीक्षक, मोहन लाल गौतम, हैड कास्टेबल, राम दास, कास्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस, पहल-शक्ति और कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ऐ पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भूता भी दिनांक 9 जनवरी, 1978 से दिया जाएगा।

के० सी० माधव्या
राष्ट्रपति के सचिव

किंतु मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

संकल्प

फा० सं० ए०-11013/194/79 प्रश्ना० 4—दिनांक 28-८-1978 के संकल्प सं० ए०-11013/181/77-प्रश्ना० 4 के पैराप्राक 4, संकल्प सं० ए०-11013/181/77-प्रश्ना० 4 दिनांक 28 मार्च 1979 तथा संकल्प सं० ए०-11013/181/77-प्रश्ना० 4 दिनांक 23 अगस्त 1979 में निहित आदेशों में आधिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने चीजों पर कौन्त्री उत्पादन शुल्क में छूट देने सम्बन्धी योजना (पुनर्गठन) समिति को अपनी रिपोर्ट मार्च 1980 तक पेश करने का समय दे दिया है।

आदेश

आदेश विया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधितों को चेजी जाये और इसे सामान्य जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

रवि दत्त जर्मा,
धर्म विषय।

कृषि और सिवाई मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1979

बा० 14013/1/77-एफ० प्रार०—भारत सरकार ने 30 दिसम्बर, 1979 से अपराह्न से “सूरत गढ़ कार्य निवेश मूल्यांकन समिति” को समाप्त करते का नियम लिया है। यह समिति इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 11-33/68-एफ० प्रार० (बाल 2) दिनांक 31 जूलाई, 1976 के द्वारा गठित की गई थी। इस समिति ने दिनांक 21-11-79 को अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी है।

एम० डी० प्रस्थाना, उप विषय।

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1980

नियम

सं० 79/ई० (डी० प्रार०)/1/7—यात्रिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अपर्टिटों के रूप में नियुक्ति के लिये उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से सच लोक सेवा आयोग द्वारा 1980 में की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के प्राप्तार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किये जाने वाले नोटिस में किया जायेगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियन्त संख्या में किया जायेगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अधिकाय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से हैः—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) संच राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति सूचियाँ (संशोधन) आदेश, 1956, अस्वर्ग पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश

राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर प्रवर्ग क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, (द्वारा यथा संशोधित), संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अप्पालान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (वादर और नागर हवेली) (अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (वादर और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962, संविधान (पांजिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964 संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967, संविधान (गोप्ता, बंगल और दियु) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियों आदेश 1970।

3. सच लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम्य I में निर्धारित रूप से सी जायेगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

4. उम्मीदवार के लिये आवश्यक होगा कि वह या तो—

(क) भारत का नागरिक होता चाहिये या

(ब) नेपाल की प्रजा या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिक्ती भरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो

(ज) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्म, श्रीलंका, और कीनिया उगाड़ा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य पूर्वी श्रीलंका देशों से या जाओया मलाबी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ब), (ग), (घ) और (ज) वर्गों के प्रत्यांत भाने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पाकता (एली-जिलिलटी) प्रमाण पत्र होता चाहिये।

ऐसे उम्मीदवार को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पाकता प्रमाण-पत्र प्राप्त करता आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्त प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसके सम्बन्ध में पाकता प्रमाण पत्र जारी कर दिये जाने के बावही भेजा जा सकता है।

(क) उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1980 से 18 वर्ष हो कुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हो ही पर्याप्त उत्तरांश जन्म जनवरी 2, 1960 से पहले और 1 जनवरी, 1964 के बावही न हो।

(घ) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में दीक्षा की जा सकती है—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(ii) यदि उम्मीदवार भूसंपूर्व पाकिस्तान (धब बंगला देश) का वास्तविक विस्थायित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 26 मार्च, 1971 के बीच की प्रवासी में उसके भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूसंपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (धब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थायित व्यक्ति भी हो

और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अधिक में उसने भारत में प्रदर्शन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत से प्रदर्शन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(v) यदि उम्मीदवार प्रनुसूचित जाति/प्रनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रदर्शन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(vi) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रदर्शन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(vii) यदि उम्मीदवार किसी प्रनुसूचित जाति या प्रनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रदर्शन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(viii) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी प्रशान्तिग्रस्त धरूप सेवा में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिये जो प्रनुसूचित जाति या प्रनुसूचित प्राविम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी प्रशान्तिग्रस्त धरूप में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिये जो प्रनुसूचित जाति या प्रनुसूचित प्राविम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(x) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संबंध के दौरान कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा दल के रक्षा कार्मिकों के लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xi) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संबंध के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा में निर्मुक्त सीमा सुरक्षा दल के उस रक्षा कार्मिकों के लिये जो अनुसूचित जाति अथवा प्रनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xii) यदि कोई उम्मीदवार भारतीय धरूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पश्च हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम भारतीय राजधूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण पत्र है, और जो वियतनाम से जूताई, 1975 से पहले भारत नहीं पाया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।

xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने भीन्हाँ उगाड़ा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य से प्रदर्शन किया हो या जापिया, मलाकी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

6. उम्मीदवार ने--

(क) भारत सरकार द्वारा प्रनुसूचित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, या

(ख) स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत हायर सेकेन्डरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन

विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम और या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, या

(ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या आमीण उच्चनार शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की आमीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (शाम के कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के बीचे वर्ष में प्रोत्तिका के लिये तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो, जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से एक विषय के साथ पास की हो तो आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो, या

(घ) भारत सरकार द्वारा प्रनुसूचित किसी विश्वविद्यालय की पूर्व इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, या

(इ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यताप्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चसर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष बाद ली गई हो, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

(ज) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांच वर्षीय इंजीनियरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की परीक्षा प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो तो आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(झ) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

नोट(i) जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा इन्टरमीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न ली गई हो उन्हें भी शैक्षणिक यूट्स से पाल समझा जायेगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तिक्रमों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

नोट(ii) कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पाल बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उसे नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक दरीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र देसकता है। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्यथा पाल हो, तो परीक्षा में प्रवेश लिया जायेगा, लेकिन उसके प्रवेश को अनन्तिम समझा जायेगा और यदि वह उस परीक्षा का पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र प्राप्त करता, तो उस के प्रवेश को रद्द कर दिया जायेगा।

नोट (iii) अपकारिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को बैष्णिक धृष्टि से अहंक भाव सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में रो कोई भी अर्हता न हो रही है एसे अर्हतायें होते हैं, जिनके स्तर के बारे में आयोग का यह मत ही कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना अनिवार्य है।

7. उम्मीदवार वे लिये आवश्यक होंगा कि वह आयोग की सूचना के पैरा 5 में विविष्ट फीस दें।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैनिक वर कर्मचारी से इनके स्थाई या अस्थाई हैं जिनमें से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैं जिनमें से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवर्तन (अप्पर्टेनिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अधिकार को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिये कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अनिवार्य होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बढ़ने दिया जायेगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कथाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है—

(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या।

(ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या

(iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या

(iv) जासी प्रतेक या फेर बदल किये गए प्रस्तुत करना; या

(v) अगुद या अस्त्रय वक्तव्य देना या महसूलपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या

(vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या

(vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या

(viii) उसके पुस्तिका (ओं) पर अवगत बातें लिखी हों जो अस्तील भाषा या अभद्र भाषण की हों; या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकारी किया हो; या

(x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान विद्या हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या

(xi) उपर्युक्त वाक्यांशों में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवप्रेरित करने, जैसा भी भासका हो, का बोधी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध अपराधिक अभियोग चलाये जाने के प्रतिरिक्ष निम्नलिखित कारणाई भी की जा सकती है—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिये, जिसका वह उम्मीदवार है अनहंक घोषित किया जा सकता है; या

(ख) उसे स्थाई रूप में या विविष्ट प्रवधि के लिये निम्न-लिखित से विवरित किया जा सकता है—

- (1) आयोग द्वारा स्वायोजित परीक्षा या घटना से;
- (2) केन्द्रीय भवन का द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विशेष अनुशासन की कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, उतने न्यूनतम अहंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्वविवेक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यक्तिगत परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिये बुलायेगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उनके लिये आरक्षित विकल्पों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त मंजूरी में साक्षात्कार के लिये बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गये कुल प्रकारों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों को जिन्हें आयोग परीक्षा में अहंक समझे, उन्हीं आरक्षित विकल्पों पर नियुक्ति के लिये विकारिण की जायेगी, जिन्हीं विकल्पों को परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया है।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित जिन्हीं विकल्पों सामान्य स्तर के आधार पर भरने में रह जायें, उन्हें भरने के लिये आयोग, सामान्य स्तर को विधिवाल करें, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की विकारिण कर भक्ता है, भरने ही परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार उसका स्थान कर्ही भी हो बाक्ताते वे सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षा कल किस रूप में और किस दुंग से भेजा जायें, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में मफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं भिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़नाल के बाद इस बात से मनुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये संवैधा उपयुक्त है।

16. उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि वह भानगिक और शारीरिक धृष्टि से पूर्णतया स्वत्य हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके कारण सेवा के नाते उसके कर्तव्य पालन में वाधा पड़ने की संभावना हो। जो उम्मीदवार ऐसी डाक्टरी परीक्षा के बाद जैसी कि सरकार या नियुक्ति करने वाला आधिकारी जैसी ख्यति हो, विनियिष्ट करे इन आवश्यक बातों को पूरा नहीं करना, उसे नियुक्ति महीं किया जायेगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिन्होंने नियुक्ति के बारे में विवार होने की संभावना है। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवारों को संबंधित चिकित्सा मञ्जूल को 16 रुपये फीस देनी होगी।

नोट——उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निगाशा न हो, उनके लिये उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन करने से पहले मिलन सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा जे। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की श्रेष्ठता की जायेगी, इसका व्यूह इन नियमों के परियिष्ट II में दिया गया है। शपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों और 1971 के हिन्दू पाक युद्ध के दौरान शपाहिज हो जाने के कलस्वरूप मुक्त हुए सूरक्षा बल के कर्मचारियों के सम्बन्ध में, प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन स्तरों में छूट दी जायेगी।

17. कोई भी व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो प्रथमा विवाह करने की संविवाह की हो, जिसकी एक पत्नी/जिसका एक पति जीवित हो, अथवा

(अ) जिसमें एक पसीनीयति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की ही, सेवा में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के हुए पश्च पश्च पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेय है और ऐसा करने के अस्थ कारण है तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रबलंग से छूट दे शकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किये गये विशेष श्रेणी अवैदेटिसों के लिये अवैदेटिसों की शर्त परिशिष्ट III में ही गई है। यात्रिक हंजीनियरों की भारतीय रेल रोड गे संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट IV में लिये गये हैं।

के० बालाजनदेव
मन्त्री, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट I

(देखिये नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जायेगी—
भाग I—नीचे दर्शये गये विषयों में 700 अंकों की सिखित परीक्षा।
भाग II—व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें प्रधिकतम अंक 200 होगे (देखिये नियम 12)।

2. भाग I के अन्तर्गत विवित परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और प्रधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

क्रम	विषय	निर्धारित समय	प्रधिकतम अंक
सं०			
1.	अंग्रेजी	2 घंटे	100
2	सामान्य विज्ञान	2 घंटे	100
3.	भाँतिकी	2 घंटे	100
4.	रसायन विज्ञान]]]]]	2 घंटे	100
5.	गणित I]]]	2 घंटे	100
	(बीज गणित, प्रारंभिक विस्तारकलन, त्रिकोणमिति और विशेषणात्मक ज्यामिति)		
6.	गणित II	2 घंटे	100
	(कलन, प्रवकलन तथा समाकल और अवधिकी स्थैतिकी तथा गतिकी)		
7.	मनोविज्ञानिक परीक्षण	1 घंटा	100
	योग		700

3. यही विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल “वस्तुपूरक” प्रश्न होंगे। नमने के प्रश्नों गहित विवरण के लिए परिशिष्ट V पर उम्मीदवार “सूचना पुस्तिका” देखें।

4. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हो केवल माप व तीन की मैट्रिक प्रणाली से संबद्ध प्रश्न दिए जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग ईटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हाथ में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की महायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या उभी विषयों के लिए अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

अनुसूची

अंग्रेजी—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवार की भाषा और भाषा पर अधिकार का प्रमाण लग सके।

सामान्य ज्ञान]]]

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार की अपने चारों ओर के आत्मविश्वास और सामाजिक व्यवस्थाओं की समान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्नों के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उम्भा परिवेश

जीवन का विकास, पौधे और पशु, वशागत और परिवेश आम-वैज्ञानिक प्रकोष्ठ, क्रोमोसोम उत्पत्ति।

मान भारीर की जानकारी—पोपाहार, संतुलित भोजन, प्रतिस्थायी खाद्य। महामारियों और गामान्य रोगों की जीवायाम महिल लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। वातावरणीय प्रदूषण और उभकी रोकथाम खाद्य अप्रतिश्वेषण, खाद्यांशों और उत्तरों नियन्त्रित उत्तरों को गढ़ी प्रकार से स्टोर करना तथा परिरक्षण। जन सेवा क्रिस्टोड, ज्ञानजगत् नियंत्रण खाद्य और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संप्रेजनन, कृषिम गमन-विनाश, खाद्य और उत्तरक, फैल रक्षण उगाय, प्रधिकतम किस्में और हरित कृति, भारत के मुख्य आनाज और नकदी फैलन।

सूर परिवार और पृथ्वी। उद्योग जलवायु, औषधि। भूमि—इसकी रचना और अप्रददन। बन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट उक्तवात् तुक्तन बाढ़, भूकम्प ज्वानामुखी उद्गार पर्वत और नदियाँ और भारत में तिक्काई के लिए उत्तरों योगदान। प्राकृतिक माध्यनों का वितरण और भारत में उद्योग। तेल गहित भूगत जनियों की जोग। भारत के बनस्तति जात और प्राणिजात के विशेष संदर्भ के माध्य प्राकृतिक साधनों जिनियम।

भारत का इतिहास, राजनीति और रामायण

वैदिक, महावीर, बुद्ध, मोर्य, शूण्य, आनन्द, कुण्डल, गुण काल (मौर्य कालीन स्तम्भ, स्त्रूप कंदवराणं, मांकी मथुरा और गंधर्व विद्यालय, महिर वास्तुकला, अजंता और एलोरा) इत्याम के आने के माध्य नई जनियों की उत्पत्ति और व्यापक संवर्धनों की स्थापना। मामतवाद से पूर्जीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरूआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संघरण।

भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएँ—नीकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समाजता के अवनर और सरकार की संसदीय प्रणाली प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएँ—लोकतन्त्र, समाजवाद, साम्यवाद, और इतिहा के गांधीवाद विचार। भारतीय राजनीतिकदल, प्रधावशाली गुट, लोकमत और प्रेस, चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गुट निरपेक्षता—शस्त्र निर्णय होड, शक्ति मंतुलन। विश्व संगठन—राजनीतिक सामाजिक, आर्थिक और सामूहितिक प्रियते और वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूद और सामूहितिक कार्य स्काप महिल)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ—जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तन और दृष्टिकोण। अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएँ सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकी जननभांगिकीय सांस्कृतिक आंतरि की संकल्पना।

श्रम विभाजन, महाकर्त्ता टकराव और प्रतियोगिता सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और सजा, कानून, रीविवाज, गश्त प्रचार, लोकता सामाजिक नियंत्रण की एजेंसियाँ—परिवार, धर्म, राज्य शैक्षिक संस्थाएँ सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकी जननभांगिकीय सांस्कृतिक आंतरि की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विषयों

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में अज्ञाज्ञान, युक्त अशांति और भ्रंगना, औषध अपराधवृत्ति और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय सामूहिक विकास का कल्याण और श्रम कल्याण; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

धन कराधान, मूल्य जनरालियकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और ईर-आर्थिक कारण; संयुक्त बनाम अमंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास—स्कॉल और नाधन जुटाने से संबद्ध मूल्य स्थिरीकरण समस्याएं; भारत की पंचवर्षीय योजनाएं।

भौतिकी

वर्तियर, स्कूलेज, स्कोरोमीटर और आप्टीकल सीधर का प्रयोग करते हुए सम्भाइ का माप।

मृथ्यु और द्रव्यमान की माप।

सरल रैखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण की वीच संबंध। न्यूटन के गति के नियम : संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति।

घर्षण गुणक

बल किया के अन्तर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आधुर्ण; युगदत। न्यूटन का गुरुत्वकार्षण गियात्। पलायन वेग। गुरुत्व के कारण त्वरण।

द्रव्यमान तथा भार। गुरुत्वकेन्द्र। एकत्रमान चक्रीय गति। अभिकेन्द्र बल। सरल आवर्त गति। सरल सोलक।

द्रव में दबाव और इसकी विभिन्न गहराई। पास्कल का नियम। आर्किमिडीज का सिद्धान्त। तैरने वाले पिन्ड। परिवेशी दबाव और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तापीय प्रमाण। गैस नियम और परम ताप। विशिष्ट ऊर्जा। गुरुत्व और उनकी माप। गैर्मों की विशिष्ट ऊर्जा। ऊर्जा का यांत्रिक मूलक। आंतरिक ऊर्जा और ऊर्जागतिकी का पहला नियम। भूतपायी और रुद्धोपम परिवर्तन।

ऊर्जा संचरण : तापीय चालकता।

तरंग-गति अनुदैर्घ्य और अनुप्रस्थ तरंगे। प्रगामी और अप्रगामी तरंगे। गैस में छवनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनुनाद परिषटना (शायु संभं और रज्जु)।

प्रकाश का परावर्तन और आवर्तन। वक्र वर्षणों और लैंसों द्वारा विद्युत रचना। सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दोष)।

प्रियः—विचलन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन। वृश्य स्पेक्ट्रम।

चुम्बक का क्षेत्र। चुम्बकीय आवृत्ति। भूचुम्बकीय क्षेत्र के तरव।

चुम्बकत्वमापी। आय, पैरा और फैरो चुम्बकत्व।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव: कोलम्ब नियम।

विद्युत धारा—विद्युत सेल, ₹१० एम० एफ० प्रतिरोध: एमीटर और बोल्टमीटर। धोहम का नियम: श्रेणी और समानान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता। धारा का तापन प्रमाण।

झीस्टोन ब्रीज, विभवमापी।

धारा का चुम्बकीय प्रभाव: सीधे तार, कुंडली और रोलिनायड—विद्युत, चुम्बक: विद्युत धृति।

चुम्बकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल: चल कुंडलीधारा मापी: एमीटर या बोल्टमीटर में परिवर्तन।

धारा के रासायनिक प्रभाव: प्रायमिक और स्टोरेज से और उनकी क्रियाविधि विद्युत अपषटन के नियम।

विद्युत के चुम्बकीय, प्रेरणा; मरम् ए० सी० तथा शी० सी० जनित्र। द्रास्फार्मर, अपषटन कुंडली।

क्षेत्र फिरणे, इनेक्ट्रॉन की खोज, परमाणु का बोहर मॉडल।

डायोड और परिशोधक के रूप में इनके उपयोग।

एक फिरणे का उत्पादन, गृण और उपयोग।

विषटनामिकता—ऐल्फा, बीटा और गामा फिरणे।

नामिकीय ऊर्जा, विकेन्ड और संलयन: द्रव्यान का ऊर्जा में परिवर्तन शृंखला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान**भौतिक रसायन विज्ञान**

1. परमाणु संरचना, पंक्षीय में पूर्व माडल। श्रिविम माडल के रूप में परमाणु। कक्षीय परिसंकल्पना। क्वांटम, संख्या और उनकी विषयाता; केवल आरम्भिक। अभिक्रिया। पाली का अपवर्जन विद्यान। इलेक्ट्रोनिक विद्याय। आफ्झु गियाल एम० पी० शी० और एफ० ब्लाक तत्त्व।

आवर्ती वर्गीकरण—केवल दीर्घ रूप। आवर्त और इलेक्ट्रोनिक विद्याय परमाणु अनुपात। आवर्तक और पूर्वों में विद्युत नकारात्मकता।

2. रासायनिक आवंष्टन, इलेक्ट्रोलैट, कोलैट, कोडिनेट, कोब्लेट बच्चन। शी० तथा एक्स० अवधियों के बन्धन गुण, जल, हाइड्रोजन, सल-फाईड, मिथेन और अमोनियम क्लोरोइड जैसे सरल अणुओं के आकार। भोलेक्यूलर संबन्ध तथा हाइड्रोजन आवंष्टन।

3. रासायनिक अभिक्रिया में ऊर्जा परिवर्तन ऊर्जा उन्मोची और उष्मा शोधी। अभिक्रिया। ऊर्जागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग। स्थिर उष्मा संकलन का हैस का नियम।

4. रासायनिक संयुक्त और अभिक्रिया की दरें। द्रव्यमान किया का नियम। दबाव के प्रभाव। तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ली चेटियर के विद्यान पर आधारित गुणात्मक अभिक्रिया) आणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं। संक्रियण की ऊर्जा परिकल्पना। अमोनिया और सल्फर ट्राइमानेइड नियमित के लिये प्रयोग।

5. विद्युत वास्तविक विलयन, कोलोडिल विलयन और अथगत। तनु विलयनों के अनुभव गुणधर्म और विलयन पदार्थों के अनु भार निर्धारण करना। क्वाली विलयनों का उत्पादन। हिमाक अवसादन। आसेट दबाव। गोल का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया)।

6. विद्युत रसायन विज्ञान—विद्युत अपघट्य। विद्युत अपघटन का फैराडे नियम। आयती मन्तुलन। घुलनशीलता उत्पाद। प्रबल तथा क्षीण अपघट्य अम्बन तथा बोनस्टीड की परिकल्पना। पी० एच० तथा उम्भ प्रतिरोधी विलयन।

7. आक्षीकरण-प्रवर्तन—प्राधुनिक इलेक्ट्रोनिकी परिकल्पना और आक्षीकरण अंक।

8. प्राकृतिक और हृष्टिक विषटनामिकता—नामिकीय विकेन्ड और संलयन। विषटनामिक समस्यानिकों के उपयोग।

अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों की संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकी महत्वपूर्ण मिश्रण।

1. हाइड्रोजन आवंत तालिका में स्थिति। हाइड्रोजन का समस्यानिक मूल्यात्मक तथा अनात्मक विद्युती। जल, कटोर तथा मृदुल जल; उद्योगों में जल का उपयोग। भारी पानी और हैनके उपयोग।

2. प्रूप I तत्व। सोडियम हाइड्रोकाइड का विनियमित। सोडियम कार्बनेट। सोडियम वाइकार्बनेट और सोडियम क्लोरोइड।

3. प्रूप II तत्व। आशु तथा बुझा हुंधा चूना। जिलम प्लास्टर आफ ऐरिस। मैग्निशियम सल्फेट और मैग्नीशिया।

4. प्रूप III तत्व। बोरक, एजूमिया और एसम।

5. प्रूप IV तत्व। कोयला, लकड़ी तथा ठोस ईंधन। सिलिकॉन, जोसिटिस तथा अद्युसुचालक। शीला (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. पृष्ठ V तत्व। अमोनियम और नाइट्रिक अम्ल का विनिमय ऐसे फास्ट और निरापद दिशास्तर।

7. पृष्ठ VI तत्व। हाइड्रोजन पर आक्साइड गंधक, सल्फूरिक अम्ल की ऊरुरुपता। गंधक के आक्साइड।

8. पृष्ठ VII तत्व। ब्लोरिन ब्लोरिन का विनिमय तथा उपयोग। जीमीन और मायोडीन। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल। ब्लीचिंग पाउडर।

9. पृष्ठ O (उल्का गैस) हीलियम और इसके उपयोग।

10. धोयकर्मीय संवाधन -- तांबा, लोहा, एल्यूमिनियम, चान्दी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट सन्दर्भ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियाँ। इन धातुओं का सर्वनिष्ठ मिश्रधातु; निकिल मैग्नेज, इस्पात।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेक्टोहेल्युल स्वरूप। संकरण और जी० एन० बन्धन तथा उनकी सापेक्षिक शक्ति। एकल तथा बहु बन्धन। अणु का आकार। अणिमितीय तथा प्रकीर्णीय समावयता।

2. ऐलेन, ऐलीन और ऐलिलीन के तैयार करने के गुणधर्मों और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियाँ। पैट्रोलियम और इसकी परिष्करण ईंगन के रूप में इसके उपयोग।

एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन

अनुनाद और एरोमेटिकता। बैंजीन तथा नैपालीन और उनके साथ एरोमेटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ।

3. हैलोजीन व्युत्पत्तियाँ, क्लोरोफार्म कार्बन, टेक्टोक्लोराइड, क्लोरो-बैनजीन-- डी० डी० एन० और गैरेक्सीन।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण : प्राथमिक, द्वितीय और तृतीय एल्कोहल मिथानाल, हथानाल, गलीमरोल और फिनैल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। एलिफेटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ।

5. इथर : डाइआईल इथर।

6. इलडीहाइड्स और केटान्स : कार्मेलडीहाइड। एसीटीडीहाइड। बेजलडीहाइड, एसोटोन, एसोटीफीनाल।

7. नाईट्रा यौगिक एमीन : नाइट्रोबेनजीन। डी० एन० डी०। एनीलीन डाइजोनियम यौगिक। एजोडाइज।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : कोर्मिक, एसीटिक, बनजोइक और डेली-सिसिल अम्ल, एसीटाइल सेलीनिलिक अम्ल।

9. एस्टर : इथाइलरोसीटेट, मिथाइल, सेलीसिबटेस, इथाइल बेनजोर।

10. पालीमर्स : पोलीथीन, टेजलान, पर्सेप्लेस, हृतिम रखड़, नायलन और पोलिस्टर तन्तु।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, बसा और लिपीड्स, एमोनी अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हामोन्स की असंरक्षणात्मक अभिक्रिया।

गणित

बीजगणित

बींक प्रणाली—वास्तविक बींक। पूर्णीक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्रारम्भिक बींक सिडान्ट—विभाजन, इल्योस्टिम विभिन्न। अभाज्य और संयुक्त संख्याएँ गुणित तथा गुणनखण्ड। गुणनखण्ड प्रमेय। महत्तम समावर्तक और लघुतम समावर्त्य। यूक्लिडीम एल्गोरियम।

लघुगणक और उनका प्रयोग

प्राधारी संक्रिया : सरल गुणनखण्डन। बहुपदों का महत्तम समावर्तक, लघुतम समावर्त्य। द्विवारी समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणीक में सम्बन्ध।

भाजक एल्गोरियम

सूचकों के नियम, ए० पी० जी० पी० ज्यामितीय श्रेणियों और इसका भावर्ती वशमवल मिश्र में प्रयोग।

कमचय और संयोजन। अनात्मक पूर्णीक सूचक के लिये द्विपद प्रमेय। संधिकटन के लिये परिमेय सूचकों के लिये द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

युगमत रैखिक मसीकरण (तीन अशात संख्यकों तक) और उनका हल। एक्स 1 एक्स 2 और एक्स 3 पर लाई के दिये हुए मूल्यों के लिये द्विपद प्रमेय।

युगमत रैखिक असमिका (वो अशात संख्याओं में) और उनका ग्राफ।

2 X 2 मैट्रोमिज और प्रारम्भिक संक्रिया। तत्समयक आव्यूह। 3 से अधिक बींक का आव्यूह निष्चयन का विषय।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समकल आकृति का व्यवकल। घनों, पिरामिडों, लम्बवृत्तीय बेलनों के आयतन और धरहल—पॉक और गोलक।

(उपर्युक्त अध्यायों से सम्बन्ध व्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे और आवश्यकतानुसार यथोचित सूत्र दिये जायेंगे।)

क्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में भाव। क्रिकोणमितीय अनुपात। योग के सूत्र। कोणों के अपवर्त्यों और अपवर्तकों के साझन, कोसाइन और टेनजेंट। साइन, कोसाइन और टेनजेंट की भावतिता और ग्राफ। सरल क्रिकोणमितीय समीकरणों का हल।

ऊंचाई और ऊरी के सरल प्रश्न

विशेषिक अणिमिति

समतल में रेखा की समीकरण। प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण। दो रेखाओं के बीच कोण। समानान्तर और नमीय रेखाएं।

दो सीधी रेखाओं की कार्टिसियन समीकरण।

वृत्त का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत्त के स्वर्णी और सामान्य समीकरण। दो वृत्तों के मूलाक्ष। वृत्त-कुल।

परवलय, दीर्घवृत्त और अतिपरवलय की मानक समीकरण। बीक पर किसी बिन्दु पर स्वर्णी और सामान्य समीकरण।

(जहाँ आयोग उचित समझेगा उम्मीदवाराओं को 4 स्थान तक लोग-रण्धरिमिक तालिकाओं के प्रयोग को अनुमति दी जा सकती है।)

गणित II

कलन (श्वकल और पूर्णीक)

उवाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उनके ग्राफ। संयुक्त और अनुकृत फलन। वास्तविक फलनों का बीजगणित। परिमय और क्रिकोणमितीय फलनों के उदाहरण और फल-फलन।

सेमां धारणा और फलन और योगातर का सांतत्य, फलनों का उत्पत्ति और आगफल।

किसी बिन्दु पर फलन का व्युत्पन्न। परिवर्तन की तात्परिक वर के रूप में व्युत्पन्न और बीक का ढाल।

फलनों के योग, अन्तर, गुणतन्त्र और आगफल की व्युत्पत्तियाँ। संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियाँ। बहुपद फलनों, परिमय, फलनों, अपवर्तक फलनों, क्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम क्रिकोणमितीय फलनों की व्युत्पत्तियाँ।

फलनों का आव्यूह और अनिश्चित पूर्णीक।

सरल मामलों में आव्यूह की परिणाम- (सरल) प्रतिस्थापन द्वारा और अंशतः मैट्रेक्स।

योगिकी (संविज पद्धतियों को अनुमति होगी)।

स्वैतिकी : बल का निरूपण, बल नमानान्तर चतुर्भुज । बल का संयोगन और विभेदन । समदिश और पिपरीत बल । धार्मिक बल युग्म । संतुलन के प्रतिबंधसंगामी बल और समतलीय बल (4 से अधिक नहीं) बल-विभुज ।

सरल पिण्डों का गुरुत्व केन्द्र

कार्य और गति । मरल यंत्र (लीवर, घिरनी तन्त्र, गियर) ।

गतिकी : कण का विस्थापन, गति देग और त्वरण । सतत त्वरण के अन्तर्गत सीधी रेखा में गति । प्रकापी से सम्बन्ध सरल प्रश्न । एक रसी से बन्धे दो ग्रव्यमानों की गति । उर्जा विनियम ।

(जहाँ आयोग उचित सभ्यता उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लायी प्रयोग की अनुमति दी सकती है) ।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण--प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों को बुनियादी जानकारी और यांत्रिक अभियाचि का मूल्यांकन हो सके ।

अधिकारित परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोड़ द्वारा साक्षात्कार किया जायेगा जिसमें मापने उम्मीदवार के अधिकारित तथा शाब्दिकार्य दोनों प्रकार के जीवन वृत्त का अधिनेत्र होता । उनसे मामान्य हित के मामलों से सम्बन्ध प्रश्न पूछे जायेंगे । उनके नेतृत्व पहलशक्ति और बौद्धिक उत्सुकता, अवहार कुण्ठनां और अन्य मामाजिक गुणों, मानविक और शारीरिक शक्ति, अवहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यानिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिये विशेष ध्यान दिया जायेगा ।

परिशिष्ट II

यांत्रिक हृत्तिनियमों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिये विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिये प्रकाशित किये जाते हैं । विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षकों और उन उम्मीदवारों का मार्गदर्शन भी दरना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है । किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिये गये नियमों के अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड को भारत सरकार को उसको अनुसंधान करने का अधिकार होता जिसके लिये बोर्ड इस प्राश्न के विवित कारणों का उल्लेख करेगा कि अमूक उम्मीदवार सरकार की लागि के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है ।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार की विकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बावजूद किसी भी उम्मीदवार को अस्तीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होता ।

1. नियुक्ति के लिये स्वत्य छहराये आने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक विषय न हो जिसके नियुक्ति के साथ वक्षतापूर्वक काम करने में वाधा पड़ने की भावना हो ।

2. (क) भारतीय (एंसो हैंडियन महिल) जाति के उम्मीदवारों की आयु, दण्ड और छाती के धेर के परायर सम्बन्ध के बारे में मैटिकल बोर्ड के अपर भव भात छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परायर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, अवहार में लायें । यदि वजन, वज्र और छाती के धेरे में विषमता सूतों से जांच के लिये उम्मीदवार को अस्तीकृत में रखना चाहिये और उसकी द्वारों का एकत्रे लेना चाहिए । ऐसा करने के बावजूद बोर्ड उम्मीदवार को स्वत्य प्रथमा अस्तीकृत करेगा ।

(घ) किन्तु कब और छाती के धेरे के लिये कम से कम मामक मिम्नलिखित है, जिस पर पूरा न उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार

नहीं किया जा सकता ।

कब छाती के धेरे फैलाव (दूरा फैला कर)

	में० मी०	सें० मी०	सें० मी०
पुरुष उम्मीदवारों के लिये	152	84	5
महिला उम्मीदवारों के लिये	150	79	5

प्रनुभूति जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं, गङ्गालियों, ग्रसमियों, नागलैंड के आदिवासियों आदि, जिनका औसत कद स्पष्ट है रुम होता है, के मामले में भी निवारित न्यूनतम कद कम से कम कद में छूट दी जा सकती है ।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जायेगा ।

वह मपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पौंच आपस में जुड़े रहें और उसका बजन सिवाय एडियों के पौंचों के अंगठों या किसी और हिस्से पर न पड़े । वह बिना अकड़ सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियो, पिडलियो, नितम्ब और कधे मापदण्ड के माथ लगे होंगे । उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि फिर का स्तर (बटेंक माप वी हैब लेवल) हारिं-जेटल बार (माझी छड़ि) के नीचे जाये । कद सटीमीटरों और प्राप्त सेंटीमीटरों में मापा जायेगा ।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है ।

उसे इस भौति खड़ा किया जायेगा कि उसके पौंच जुड़े हों और उसकी भुजायें सिर से ऊपर उठी हों । फौने को छाती के गिर्वं इग तरह लगाया जायेगा कि उसका ऊपरी किनारा अमफलक (गोल्डर ब्लड) के निम्न कोणों (इन्टीरियर प्लिंग्स) के पीछे रहे और यह फौते को छाती के गिर्वं ने जाने पर उसी आड़े समतल (शारिंजेटल लेन) में रहे । फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के गाथ लटका रहने दिया जायेगा । किन्तु इन बात का ध्यान रखा जायगा कि कधे ऊपर या पीछे की ओर न किये जायें ताकि फौता अपने स्थान से हट न जाये । तब उम्मीदवार को कहीं बार गहरी सौस लेने के लिये कहा जायेगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जायगा और कद से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा । जैसे 84-89, 86-93 आदि । माप रिकार्ड करते समय फौते सेंटीमीटर से कम भिन्न (फैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिये ।

छान वें—अन्तिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिये ।

5. उम्मीदवार का बजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा । आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिये ।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी । प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा ।

(i) सामान्य (जनरल) --किसी रोग या असामान्यता (एबनार्म-लिटी) का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की ओरों की मामान्य परीक्षा की जायेगी । यदि उम्मीदवार की ओरों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (काल्पनिक स्ट्रैक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या अगे किसी ममता सेवा के लिये अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्तीकृत कर दिया जायेगा ।

(ii) दृष्टि तीणता (विजुम्ल एश्यूल्टी) --दृष्टि की तीणता का निवारण करने के लिये वो तरह की जांच की जायेगी । एक दूर की नजर के लिये दूसरी भजीवीक की नजर के लिये । प्रत्येक धाँची की भजीवा अस्तीकृत दृष्टि की जायेगी ।

जास्ते के बिना आंख की भजर (नेकेड आई विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जायेगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूलसूचना (बेसिक इनफोरमेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण, से परीक्षा की जायेगी और उसकी दृष्टि सुधीश्वता रेल बोर्ड की चिकित्सा प्रधिकारियों की स्थाई मलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विविध के अनुसार की जायेगी।

द्व्यान दें :- नीचे निर्धारित अधेशाओं के स्तर को, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करेंगे, उन्हें नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जायेगा।

जबकि के ताप और चर्खे के बिना दृष्टि सुधीश्वता का मानक मिनिमलिमिट होगा :-

दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि
आंखी	खराब आंख अच्छी आंख खराब आंख
35 वर्ष से कम	6/6 प्रथमा 6/12 प्रथमा
आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	6/9 6/9 जै. I जै. I

नोट (1) :

- (क) मायोपिया (मिलेंडर सहित) कुल - 4.00 डॉ. से अधिक नहीं होना चाहिये।
- (ख) हाईपरमेट्रोपिया (मिलेंडर महिन) कुल + 4.00 डॉ. से अधिक नहीं होना चाहिये।
- (ग) मायोपिया फँडेन के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिये और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक वसा हो, जो कि बड़े सकरी है, और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अप्रोप्री घोषित किया जाये।

नोट (2) :

कलर विजन :

कलर विजन की जाँच जल्दी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिये, लाल संकेत, हरे संकेत और मफेव रंग की आमानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जाँच के लिये इशिहरा की प्लेटों और एक्सिज ग्रीन जैसी दोनों जैडने का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिये तो लैटने में एप्सर के आकार पर निम्नर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	1.6 फीट 1.6 फीट
2. डार्क (एप्सर) का आकार	1.3 मि० मीटर 1.3 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड 5 सेकेंड

स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के लिये रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

नोट (3) :

वूष्ट बोत्र (फौल आफ विजन) --- नीचे नेत्रओं के लिये सम्मुख विष्ठि कन्फेशन मैथड द्वारा यूनिट दृष्टि बोत्र की जायेगी। जब ऐसी जाँच का नतीजा अस्वत्तोषजनक या संविध नहीं तब वूष्ट बोत्र को परिवारी (पैरोमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

नोट (4) :

रत्तोंधी (नाइट ब्लाइचनेस) --- केवल विशेष मामलों को लोडकर रत्तोंधी की जाँच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रत्तोंधी में विवाई न देने की जाँच करने के लिये कोई स्टेंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मैडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ ईस्ट कर नेमी जैहरे जैसे रोगारी कम करके या उम्मीदवार को अंदरे कमरे में साक 20 से 30 मिनट के बाद उसमें विविध भीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विवास नहीं करना चाहिये, किन्तु उन पर उचित जाना चाहिये।

नोट (5) :

दृष्टि की तीक्ष्णता से मिश्र प्रांख की वशांग (आक्युलर कंडीशन्स) :

- (क) प्रांख की वश ताप्टी बीपारी को या बड़ी हुई अवर्तन दृष्टि (रिफेक्टिव प्रैरर), जिसके परिणामस्थल दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अपोगता का कारण ममका जाना चाहिये।
- (ख) भैगपना — जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना ज़रूरी है भैगपन अपोगता भाना जायेगा जाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।
- (ग) एक प्रांख वाला व्यक्ति — एक प्रांख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट (6) :

कार्टेक्ट लेप्स --- चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कार्टेक्ट लेन्स प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये। यह आवश्यक है कि प्रांख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रवीनित 15 कुट कैर्डिल की प्रवीनित जसी हो। विशेष परिभ्यतियों में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शर्त को शिखिल करने की छुट सरकार को है।

7. रक्त वाद (ब्लड प्रैसर)

ब्लड प्रैसर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम नेगा। नार्सेल मेकीजीम सिस्टालिक प्रैसर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार हैः—

- (i) 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रैसर लगभग 100+ आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रैसर के आकलन में 110+ आधी आयु का सामान्य नियम बिलकुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

द्व्यान दें --- सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टालिक प्रैसर और 90 एम० एम० से ऊपर डिस्ट्रिलिक प्रैसर को संविध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अपोगत या योग ठहरने के संबंध में अपनी अतिम राय देने से पहले बोर्ड की चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से वह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रैसर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यिक (प्रौर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सर और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जाँच और रक्त यूरिया निकाय (विलपरेंट) की जांच सी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के बोग्य होने या न होने के बारे में अनिम फैला भेजने मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

संघ प्रेशर (एक वाब) लेने का तरीका :

नियमतः पारे बाले दाढ़मापों (मर्करी मैनोमीटर किस्म का उपकारण (इस्ट्रॉमेट) इस्ट्रोमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाब पन्छ मिनट तक रक्त वाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बातें कि वह और विशेषकर उसकी आह शिथिल और आराम में हो। आह थोड़ी बहुत हाँरिंजंटल स्थिति में रोगी के पाठ्य पर ही तथा उसके कन्धे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बाल्च की रबड़ को भुजा के अन्तर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इच्छ पर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कफड़े की पट्टी को फैलाकर दमान लूप से लगेटा जाहिए ताकि हवा घरने पर कोई हिस्सा फैल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (ड्रेक्सल आर्डरी) को दबा-दबाकर ढूँढ़ा जाता है और तब हमसे ऊपर थीं जी च स्टेट व्यक्तियों को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ म लगे। कफ में लगाग 200 एम० एम० एम० जी० हवा भरी रहती है और इसके बाब हमसे से धीरेंधीरे हवा निकाली जाती है। हल्की कार्मक छवनियां सुनाई पड़ने पर जिम स्टर पर पारे का कालम ठिक होता है वह विस्टारिक प्रेशर दर्शता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज छवनियां सुनाई पड़ती हैं। जिस स्तर पर ये नाक और अच्छी सुनाई पड़ने वाली छवनियां हल्की दर्शती हैं तो वही सी लूट प्राप्त हो जाएँ यह डायस्टारिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी प्रवृत्ति में ही ले लेना चाहिए वयोंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये थोड़कारी होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि बोबारा पड़नाल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाब ही ऐसा किया जाए। (किसी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक नियन्त्रित स्तर पर छवनियां सुनाई पड़ती हैं; बाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में लिये गये मूल की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रामायनिक जाल डारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (आयविटीज) के शोक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोस्यूरिया) के विवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैटडॉर्ड के अनुसन्धान पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिटनेस ओप्शन कर सकता है कि ग्लूकोज मेह मधुमेही (तान आयवेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिग्न के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधायें हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैटडॉर्ड ब्लड शुगर टासरेंस ट्रैस्ट समेत जो भी किलिनिकल या नेब्रोटेटरी परीक्षाएँ जरूरी रूप से गर्भवती व्यक्ति की विशेषज्ञता के लिये बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनाफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूनरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपचिक प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जाल के परिणाम कोई महिला उम्मीदवार 12 हपते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्त्रस्थ ओप्शन किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड विकिट्स व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाणन्यत प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हपते बाब आरोग्य प्रमाणपत्र के लिये उसकी फिर से स्वस्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए:

(क) उम्मीदवार को थोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की असरी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ डारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की असरी का इलाज शाल्य किया (आपरेशन) का हियरिंग

एवं के इस्टेमोल से हो अंक सो उम्मीदवार को इस अधिकार पर प्रयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बायतें कि कान भी बीमारी बढ़ने वाली म हो यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेवा इंजीनियरी नेवा, तार इंजीनियरी सेवा युप 'क', तार यातायात सेवा युप 'ब', केंद्रीय इंजीनियरी सेवा, युप 'क' और बेंद्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा युप 'ब' पर लाग नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग वर्णक जानकारी दी जाती है:

- (i) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहुर-स्पैशल कलाप अप्रेटिटेज पदों पर पन, दूसरा कान सामान्य होगा। नियुक्ति के लिये प्रयोग्य।
- (ii) दोनों कानों में बहारपन का प्रत्यक्ष स्पैशल कलाप अप्रेटिटेज पदों पर द्वारा कुल सुधार संभव हो।
- (iii) सैन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिप्पेनिक मेम्ब्रेन का छिक्क। कान में प्रकट अथवा मार्जिनल टाइप के कारण नहीं तो अध्योग्य किन्तु विश्वन बाब का निषान अशोभता का कारण नहीं माना जाएगा।
- (iv) कान के एक ओर दोनों ओर से मस्टाइड बैंटिटी से सुबनार्मल स्पैशल कलाप अप्रेटिटेज के पदों के लिए प्रयोग्य।
- (v) बहुत रहने वाला कान आपरेशन किया गया बिना आपरेशन किया गया। सकलीकी और गैर तकनीकी पदों के लिए अस्थायी रूप से आयोग्य।
- (vi) नामापुट की ही संबंधी विस्थिताओं (बोनी डिफर्मिटी) अहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/प्रलाजिक दशा। (i) प्रत्येक मामले की परिम्यतियोंके अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
- (ii) यदि जलक्षणों सहित नासापट अक्षरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (vii) टांशिल्स और/अथवा स्वर यंत्र (स्ट्रिक्स) की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य। (i) टांशिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य।
- (ii) यदि आवाज में अस्थिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (viii) कान/माक/गमे (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दूर्बल द्यूसर। (i) हल्का द्यूसर—अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) दूर्बल द्यूसर अव्यय श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाब 30 डेसीबेस अवणता के अन्वर होने पर योग्य। स्पैशल कलाप अप्रेटिटेज पदों के लिए अयोग्य।
- (ix) आस्टोकिलरेसिस (i) यदि काम-काज में आधिक घोषित न हो तो योग्य। (ii) आरी मात्रा में हक्कलाइट हो तो अयोग्य। अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (x) कान, नाक अथवा गमे के जन्माता (i) नेजल पोली (g) उम्मीदवार बोलने में हक्कलाता/हक्कलाती नहीं हो। (g) उसके दात अच्छी होत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दात लगे हैं या नहीं। (ग) अच्छी तरह घरे हुए घोषित नाकों को डीक समझा जाएगा।

(प) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका शिल्प या फेफड़े ठीक है या नहीं।

(छ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर है या नहीं।

(छ) उसे हाईड्रोमील, बड़ी हुई बेरिकोनिल, बेरिकाजिशिरा (बेन) या बबासीर है या नहीं।

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी प्रतियां भली भाँति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई विरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या बोध है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उप्रयोग या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ঃ) उसे कोई संधारी (কম্প্যুনিভেক্স) रोग है या नहीं।

11. दिल और केफ़ड़ों की किसी ऐसी चिलकापता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से जात म हो, उसी मामलों में नेहीं रूप से छाती की एकल-द्वारीशक्ति की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाणपत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इम्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना या नहीं।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वत्याका निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—चाहे बोर्ड विशेष हो या स्थायी हो—के विशेष अपील करने का प्रधिकार नहीं है। किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिये जाने पर सन्तुष्ट हो जाती है तो वह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दुर्घे बोर्ड के सामने अपील की हजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख के एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निर्णय संबंधी दृष्टि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-नक्का प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रमाण-नक्का पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक उसमें सम्बद्ध चिकित्सा अवश्यायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अवश्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

मेडिकल बोर्ड और उनकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुजाइया रखना चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति की पालक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अव्वाइटिंग अधिकारी) को यह तत्वली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इन कमिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

यह बात समझ देनी चाहिए कि योग्यता का प्रस्तुत अवधिय से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना बर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का पाल मूल्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकान मृश्य होने पर समय पूर्वे पेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रस्तुत केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत फरमे की फलाह उम्हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उम्हमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर और मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में महायोगित किया जाएगा।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार मियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो व्यवाही बताई हो उनका विस्तृत घोरा नहीं दिया जा सकता।

7. ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि भरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी भोटी खराबी चिकित्सा (शैवाय या शाल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का क्यत रिकाउंट किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और यह बहुत खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में संविधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्सेनेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ज्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

(लाफ़ घशरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं.....

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जैसी जातियों नागालैण्ड आदिमाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिसका भ्रूक्षत कर दूसरों से कम होता है “ह” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर “ह” में हो तो उस जाति का नाम बताईए।

4' (क) क्या आपको कभी चेचक, इक-रुक कर होने वाला या कोई वृसरा बुखार, गंधियां (ग्लैंड्स) का बहुना या इनमें पीप पड़ना, पूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, स्मैटिजम, एपेंडिमाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्बलता, जिसके कारण शया पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या संजिक्ष इलाज किया गया हो, हुई है?

5. आपको जेवह का टीका आँखियी बार कब लगा था?

6' क्या आप या आपका कोई निकट का संबंधी कभी कन्जम्स्यन सीरोकला गाउट, दमा, दौरे, प्रप्ल्यार या पागलपन का शिकार हुआ है?

7' क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किसी की अधीरता (नर्वसनेस) हुई?

8. आपने परिवार के संबंध में नियुक्ति किए थे—			
यदि विता जीवित मृत्यु के समय हो तो उनकी पिता की आयु और स्वास्थ्य और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई आपके कितने जीवित हैं उनकी आयुओं की मृत्यु और स्वास्थ्य हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण	(4) बृहिं शेत्र (फील्ड आफ विजन) ----- (5) बृहिं तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) ----- (6) फंडिंग की जांच -----	वृहिं की तीक्ष्णता चरमे के बिना चरमे से चरमे की पावर स्पी० सिलि एक्सेस
यदि भासा जीवित मृत्यु के समय हो तो उनकी आयु भासा की आयु और स्वास्थ्य की ओर मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहुत जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की प्रवस्था	आपकी कितनी बहुत जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की प्रवस्था	दूर की नजर वा० नै० वा० नै०
9. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीका की है?			
10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हो में हो तो बताएँ किस सेवा/किस सेवाओं के लिए आपकी परीका की गई थी।			
11. परीका में बाला प्रारंभिकारी कौन था?			
12 कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?			
13 मेडिकल बोर्ड की परीका का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—			
मैं धोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक है।	उमीदवार के हस्ताक्षर----- मेरे सामने हस्ताक्षर किए----- बोर्ड के प्रधानकार्य के हस्ताक्षर-----		
नोट:—उपर्युक्त कथन की याचार्यता के लिए उमीदवार जिम्मेदार होता। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो देते की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति हो भी जाए तो वार्धक्य नियुक्ति भत्ता (मुफरएमुएशन) ब्लाउंस या उपदान (प्रैच्युटी) के सभी दाढ़ों से हाप खो देतेगा।			
(का)] (उमीदवार का नाम) की शारीरिक परीका करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट:			
1. गोमान्य विकास: अच्छा ----- बीच का ----- कम प्रोत्पाता: पतला ----- (बीसेस) ----- मोटा ----- कव : (जूते उत्तराकर) ----- अजन अत्युत्तम अजन ----- कव था? ----- अजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन ----- अपमान ----- छाती का घेर -----			
(1) पूरा सांस बीचने पर ----- (2) पूरा सांस निकालने पर -----			
2 लचा—कोई जाहिंग बीमारी			
3. नेत्र:-			
(1) कोई बीमारी----- (2) रत्नांशी ----- (3) काशर विजन का दोष-----			

14. यह उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इन सेवा को इयटी की दक्षतापूर्वक नियाने के लिये अयोग्य हो सकता है ?

नोट -- महिला उम्मीदवार के सामने में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 महाह अथवा उससे अधिक समय में गर्भाशी है तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किया जाता चाहिए, देखें विनियम ५।

15. उम्मीदवार परीक्षा करनिये जाने के बाद किन सेवाओं में कार्रा वे दक्ष सत्तन निष्पादन लेनु सभी प्रकार गो योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिये यह अयोग्य पाया गया है।

स्थान - - - - - तारीख - - - - - अध्यक्ष - - - - - गदम्प

परिषिक्त III

इस परीक्षा के आधार पर चुने गये स्पेशल क्लास अप्रैन्टिसों हेतु
अप्रैन्टिगणिप के शर्त

अप्रैंटिसशिप की शतांक का उल्लेख इण्डियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट मेनेजरल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा। इसका संभिल्प व्योग निम्न प्रकार है:

१. स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेटिस के रूप में नियुक्ति के लिये प्रस्तावित
उम्मीदवार को निर्धारित प्रफ़्रेम में इस आशय का करार करना होगा
कि सरकार की संतुष्टि के अनुरूप स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेटिस का प्रशिक्षण
पूरा करने पर अमफल रहने पर या यात्रिक इंजीनियरी की भारतीय
रेलवे सेबा में परिवृत्तिशाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को
स्वीकार न करने की स्थिति में जो दृष्ट उसे दिया गया है या सरकार
द्वारा जो धन उस पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिये वह
तथा उम्मा एक प्रतिभू संदुक्ति रूप में तथा पृथक् पृथक् रूप में बाध्य
होते। सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एकमात्र
अधिकार होग।

अप्रेटिस की शुरू में एक चार-वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक प्रशिक्षण इस प्रायग के बाध्यक अमृतन्ध वत्त के अन्तर्गत लेना होगा जिसमें यहि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारी य रेल में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रेटिसिप एक वर्ष के बाद दूसरे वर्ष तभी चालू रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह काम कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रेटिसिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है या उन्हें अप्रेटिसिप में अलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की श्रवणिता कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकते हैं।

2. अप्रैटिमशिप के चार तर्फ तक उपर्युक्त प्रयोगिक तथा भैङ्गिक प्रणिक्षण किसी रेलवे वर्कशाप में दिया जाएगा।) स्पेशल क्लास अप्रैटिमों को इस अवधि के दौरान या तो काउंसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशन एज्ञानिमेशन (तार्डन) का भाग। और ? या इन्स्टीट्यूशन आफ इन्स्टी-दिव्यार्थ (इडिया) एज्ञानिमेशन की एसोशिएट मेस्क्रिप्शन का सेक्षन 'ए' और 'बी' अवध्य पास करता आहिए। अप्रैटिमों को पहले और कृमरैयां के दौरान 350/- रु. प्र० मा० आवृत्ति तथा तीनरे और चौथे वर्षों के दौरान 400/- रु. प्र० मा० आवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रैटिमिंग के दौरान उस्पीदावारों को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रणिक्षण प्राप्त करना होगा।; सर्वे कृपा छ. गमीस्टर परीक्षार्थी होंती, जिनमें सं प्रयोग को उर्ध्वीय करण्या प्राप्तिवार्थ होगा। यादि वे किसी परीक्षा में अगफत रहते हैं तो उसके निष्पादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में देंते और उसमें उर्ध्वीय होने या अगले निष्पादन बैच में स्थे जाने गए या अप्रैटिमिंग से हट जाने की कहा जाएगा।

ठिप्पणी ---मिथाएं जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या उह शतधी-
नका असंयम या अत्य कवाचार का बोषी पाया जाता है, या कोई
करार भंग कर दिया जाता है, अप्रैटिसिप से हडाने के लिये
एक सज्जाह का नोटिव दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रणिक्षण का जीवा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रेटिटों की एक सूची ली गई धरीश्मि या अप्रैटिट्मेश्प की अधिकता के दौरान प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर योग्यता क्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रेटिट्मेंटिकल इजोनियरों की भाग्यीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिषिक्षा पर नियमित किय जायेगे।

द्यान दें—किसी भी प्रशिक्षण को अर्हता स्तर की घोषणा से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह विमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संकालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व वैद्युत इंजीनियरी संस्थान, जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी गामिल होंगे। यह भी अहम है कि छह विमेस्टर परीक्षाओं की इन प्रतिविधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. अमफल प्रशिक्षकों को, एक भवीता पहले यह सूचना देकर कि उनकी प्रशिक्षणा अमफल रही, प्रशिक्षणा से तिवर्तित कर विद्या जाएगा।

5. अप्रेनिटिशिप के चार वर्ष भफलनापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट IV में नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रेनिटिसों को योग्यिक इंजीनियरों को भारतीय रेल भवा में परिविधि धा पर नियुक्त किया जाएगा। योग्यिक इंजीनियरों की भारतीय रेल भवा के अधिकारियों के बेतत एवं भवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट IV में दिए गए हैं।

परिशिष्ट IV

योग्यिकी इंजीनियरों का भारतीय रेलवे सेवा में संबंधित विवरण

1. परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के रूप में नियुक्ति और बेतन का आरम्भ (क) प्रसेटिमिशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख में या (ख) प्रणिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से, जो भी बाद को हो, माना जाएगा।

फिन्स्टु शर्त यह है कि उन स्पैशल क्वार्ट्स अप्रैन्टिसेज का, जो आपने अप्रैन्टिसाशिप के 4 वर्ष के भीतर ए.एम.आई.ई. (लन्दन) के भाग 1 और 2 ए.एम.आई.ई. (डिंडिया) के भाग ए और बी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परिव्राशिकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट : (1) परिवीक्षकों को सेवा में बनाए रखने और उनका वापिक वेतन वृद्धि स्वीकृत बग्रने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी ओर में तीन मास का नोटिंग विए जाने पर परिधीक्षकों की सेवायें गमाप्त की जा सकती हैं।

2. परिवीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनकी एक या अनेक भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिये भेजा जाएगा जिसके लिये एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और वह सभी सभी पर संसाधित भी हो सकती है। परिवीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य सभी के बाद किसी प्राथिक महाविद्यालय में या इनीशियरी विभागों पर विशिष्ट भाषण मुनाफे के लिये भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दसां के आद मौखिक परीक्षा होगी और वो साल पूरा होने वें बाद इस अवधि में परिवीक्षातों को दिये गए प्रशिक्षण पर एक लिखित

परीक्षा होनी जो मुख्य पात्रिकी अधिकारी और जिसे रेलवे में परिवहन की नियुक्ति होती है, यहाँ के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होंगी इसमें अर्हता प्राप्त करने के लिये 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिवहन की अवधि में उनको रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा अनियार्थ होनी और इसमें दुबारा बैठने की अनुमति भाग्यतः नहीं दी जाएगी जब तक कुछ आपवादिक परिस्थितियाँ न हों और अधिकारियों का कार्य नेतृत्व इस प्रकार की छूट को उपयुक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हो, उनका व्यायामिकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिवहन अधिकारी अवधि यात्रायरक्त बढ़ा दी जाएगी परिवहन की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसके विषय होंगे—सेवा और प्राक्कलन, सामान्य और आनुपर्याप्ति नियम, कारबाना अधिनियम, कारोगर प्रतिपूति अधिनियम, श्रमिकों गे काम करने का कौशल तथा परिवहन की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को संपूर्ण गणेशीय या कार्यों से उनकी अनुप्रयुक्तता। उनकी इस विभागीय परीक्षा में परिवहन के दूसरे माल के प्रत्यक्ष-प्रन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर वेतन समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वेतन वृद्धि रक्कड़ दी जाती है। निश्चित अवधि के अन्दर किसी या भी व्यायामीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने और बढ़ाई गई परिवहन अवधि के बावजूद स्थाई बनाए जाने पर पहली और उसके बाद वेतनवृद्धियों की प्राप्ति जम्य यम्य पर प्रतिनियमों और आदेशों के अनुसार नियंत्रित होती है। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ आपवादिक परिस्थितियाँ न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य सत्य कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उपयुक्त मालूम पहुँच।

ध्यान दें: सरकार, अपने नियंत्रण से, किसी भी कार्यभारी पर की प्रशिक्षण-अवधि और परिवहन-अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मालों में प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्त न होने पर प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो अनुसार परिवहन की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परिवहनाधीन अधिकारियों को वेतनागारी नियि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परिवहन अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा विधा नियमानुसार किसी के द्वारा अधीक्षित हिन्दी प्रक्रीय या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समक्ष परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परिवहनाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है तब उसको न स्थाई किया जा सकता है और न उसका वेतन सामयिक वेतनमान में ₹ 780.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1965 के बाद की परीक्षा के प्राधार पर पात्रिक हंगीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्त होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पर, पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उम अर्थात् को—

(क) परिवहनाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(ब) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्यकृत सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. पात्रिक हंगीनियरी की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी:-

(क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे और

(ब) राज्य रेलवे गैर-अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं, लागू है।

7. परिवहनाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतनवृद्धि देय सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी। वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में उल्लिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल के अधिकारियों पर लागू हैं, अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए, उसी रेल में जगे रहेंगे जहाँ उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरी रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को देखने हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. पात्रिक हंगीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्त अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दरे ग्राह्य हैं:—

कनिष्ठ वेतनमान : ₹ 700-40-900-द० ₹ १००-४०-११००-५०-१३००।

वरिष्ठ वेतनमान : ₹ 1100 (छठा वर्ष या कम) - ५०-१६००

कनिष्ठ प्रशासनिक प्रेड : 1500-60-1800-190-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक प्रेड : (i) ₹ 2250-125/2-2500

(ii) ₹ 2500-125/2-2750।

टिप्पणी :—(1) परिवहनाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम स्तर जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यान्वयन की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका वेतन ₹ 740.00 रु. प्र० मा० से ₹ 780.00 प्र० मा० तक बढ़ाया जाए, उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाओं उत्तीर्ण करनी होगी।

टिप्पणी 2—यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्ष और परिवहन अधिकारी के द्वारान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं तो ₹ 740.00 से ₹ 780.00 तक की वृद्धि रोक दी जाएगी। जब निर्धारित अवधि के द्वारा विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनका वेतन जिस तारीख को अन्तिम परीक्षा समाप्त होती है। उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवधि पर नियत किया जायेगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बढ़ाया नहीं किया जाएगा। ऐसे मालों में भविष्यगत वेतनवृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतन वृद्धि के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक प्रेडों में प्रवोशति संबीकृत स्थापना में रिक्तिया होने पर ही होती है और पूरी तरह चयन पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता प्रवोशति का कोई अधिकार प्राप्त नहीं करती है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 17th January 1980

No. 9-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Gujarat Police :—

Name and rank of the officer

Shri Vajesingh Kalubava Rana,
Unarmed Police Constable,
Baroda City,
Gujarat.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 25th July, 1978, Shri Vajesingh Kalubava Rana, Unarmed Police Constable, Baroda City received information that habitual and notorious cabin thieves, Chandu Ishwar Satyanarayan Hanya Kahar, Dilip Ganpat and others were taking shelter in Tulsiwadi area. Without loss of time and accompanied by two more constables, Shri Rana reached the Tulsiwadi area at 0500 hours and started routine investigations. On seeing the police, the suspects fled but Shri Rana warned them not to move. The suspects gheraoed and then isolated Shri Rana from his colleagues and tried to escape. Shri Rana started chasing them but one of them Satyanarayan Hanya Kahar surreptitiously took out a 'Rampuri' knife and stabbed Shri Rana in the stomach four or five times. The culprits then escaped but four of them were subsequently apprehended by the police. Shri Rana was rushed to the hospital. He recovered after prolonged treatment.

In the encounter Shri Vajesingh Kalubava Rana showed exemplary courage, gallantry and devotion to duty in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 25th July, 1978.

No. 10-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Suraj Prasad Pandey,
Sub-Inspector of Police,
Deoria,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 2nd April, 1976, at about 1900 hours, Sub Inspector Suraj Prasad Pandey received information that the gang of dacoit Tara was likely to commit dacoity in the house of Dr. Bansraj in Murar Chhaper village of Deoria District. Shri Pandey collected the available Police force immediately and also some local gun licensees to assist him. Shri Pandey then rushed to Murar Chhaper village and after assessing the situation divided the police party and deployed them suitably. At about 2200 hours, 11 dacoits assembled together. Shri Pandey challenged the dacoits and called on them to surrender. He also fired several rounds from his Very Light Pistol to light up the area. In disregard of the warning, the dacoits fired on the police party. Shri Pandey was injured but without caring for his injury, he ordered his men to open fire on the dacoits. Because of this determined action three dacoits including the leader of the gang, Tara were shot dead. The remaining dacoits made good their escape. One DBBL gun, 3 country-made pistols, a hand grenade and a large quantity

of ammunition were recovered. During the encounter, Shri Pandey was hit by as many as 19 pellets in various parts of his body.

In this encounter Shri Suraj Prasad Pandey exhibited conspicuous gallantry, courage, initiative and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd April, 1976.

No. 11-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Gujarat Police :—

Name and rank of the officer

Shri Shivshanker Manilal Dudhwala,
Unarmed Police Constable,
B. No. 1087,
Surat,
Gujarat.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 28th August, 1978, at about 12.45 hours, two suspects entered the Bombay House Apartment at Surat, broke open the staple of flat No. 805 and also opened the lock of flat No. 806. In the meantime, the owner of the latter flat came and apprehended one of the suspects. The other suspect got his companion in crime release on pistol point and ran away. The lifterman of the apartment challenged and chased them but one of the suspects fired at him. The public also gathered near the apartment but the suspects managed to escape. On 11th November, 1978, while Shri Shivshanker Manilal Dudhwala was going to the Salabatpura area in Surat to serve summons, he saw one of the suspects involved in the above robbery case. The suspect pointed his revolver at Shri Shivshanker Manilal Dudhwala but he was not deterred and in disregard of his personal safety, grappled and overpowered him.

In this action Shri Shivshanker Manilal Dudhwala exhibited conspicuous gallantry and courage in arresting the suspects.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th November, 1978.

No. 12-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and ranks of the officers :

Shri K. K. Mukandhan,
Constable No. 710570947,
22nd Battalion,

Central Reserve Police Force.
Shri Gurcharan Singh,
Constable No. 670223627,
22nd Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 23rd May, 1979, 21 under-trials belonging to the hard-core Mizo National Front were being taken in a jail van to the Aijal Courts. At about 11.15 A.M. when the van slowed down to negotiate the turn in Bara Bazar, near Dawrpui Church, on a pre-arranged signal in the Mizo language, all the under-trials threw red-chilly-powder in the

eyes of the escort party thus incapacitating them temporarily. The under-trial prisoners dragged two of the constables into the prisoners' compartment and took away their loaded rifles. They started firing on the members of the escort party as a result of which one of the constables of the Mizoram Police was killed on the spot and four Central Reserve Police Force personnel were grievously injured. Constables K. K. Mukandan and Gurcharan Singh, in disregard of the imminent risk to their lives, jumped out of the van and took up positions. One of the Constables, named, Shri Milkha Singh rushed to inform the police/jail authorities. Shri Mukandan and Shri Gurcharan Singh fired at the under-trial prisoners in a controlled manner so that their fire did not kill their own colleagues. The two Central Reserve Police Force personnel kept the under-trials engaged till reinforcements arrived. The under-trial prisoners were disarmed and taken into custody.

In this action Shri K. K. Mukandan and Shri Gurcharan Singh, Constables exhibited courage of the highest order, commendable presence of mind and devotion to duty and bravery at the risk of their own lives.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23rd May, 1979.

No. 13-Pres/80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Gujarat Police :—

Name and rank of the officer

Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar,
Unarmed Police Constable,
B. No. 3988.
Ahmedabad City,
Gujarat.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the night of 2nd/3rd March, 1979, Unarmed Police Constable Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar, along with two other constables were patrolling their beat on bicycles. When they came near the Gopalkunj Society at about 1.30 A.M. they saw three persons coming on two cycles from the opposite side. On being challenged, these persons took to their heels. The police constables chased them and overtook them. All the three suspects were found to be armed with lethal weapons, but in disregard of this fact the three police constables grappled with them. Jitendrasingh Kishansing, who was a notorious criminal with five previous convictions, took out a Rampuri Knife, stabbed Constable Fatehsingh Bhupataji in his chest and also injured the other two constables. In complete disregard of the injuries sustained by them all the three constables continued to grapple with the armed criminals and overpowered them. The part played by Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar in arresting these dangerous and armed criminals is particularly praiseworthy. After the criminals had been arrested, Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar fell down because of loss of blood from his wounds and was removed to the hospital where he succumbed to his injuries.

In this action Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar exhibited conspicuous gallantry, courage and sacrificed his own life at the altar of duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd March, 1979.

No. 14-Pres/80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Delhi Police :—

Name and rank of the officer

Shri Satpal Singh,
Assistant Sub Inspector of Police,
(now Sub Inspector of Police),
Central District Special Squad,
Delhi.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 5th March, 1979, information was received by the Central Special Squad of the Delhi Police that certain notorious criminals had demanded a ransom of Rs. 25,000 and that the party concerned had agreed to pay them Rs. 10,000 at the Moti Mahal Delux Restaurant in South Extension, New Delhi. A raiding party in charge of Shri Om Dutt, Inspector was deputed to apprehend the criminals. At about 7.00 P.M., one of the criminals came on a two-wheeler scooter and approached the party with a view to obtaining the ransom amount. The party signalled to the policy party and the criminal was apprehended. On the basis of information provided by him, the Inspector-in-charge of the raiding party proceeded to Greater Kailash, where the other members of the gang were understood to be hiding. He left behind Shri Gian Chand, Inspector of Police and Shri Satpal Singh, Assistant Sub-Inspector of Police along with two Head Constables. After about 20 minutes, another criminal came to the restaurant and enquired if Charan Singh had been taken away by the police. On hearing this, Shri Gian Chand, Inspector and a Head Constable caught hold of the new-comer who was later on recognised as Nagra, a known racketeer. On being caught by the Police, Nagra shouted to his accomplices who were waiting in a car outside to fire at the police party as he had also been caught. A person then came out of the car and started firing indiscriminately with a .303 rifle towards the restaurant. Apprehending danger, Inspector Gian Chand and Head Constable Jagtar Singh took the criminal inside the restaurant leaving behind Shri Satpal Singh who was left alone. Shri Satpal Singh who was sitting in a car, then asked the driver of his car to park it by the side of the car in which the other 3 criminals were sitting and firing recklessly on the assembled crowd and nearby buildings in order to get their colleagues released. After positioning his car near the car with the criminals, Shri Satpal Singh asked the criminals to surrender. The criminals however started firing at Shri Satpal Singh. The bullets hit the window screen of the car and damaged it. Thereafter one of the criminals who was firing at the restaurant also got into the car and started firing at Shri Satpal Singh. Undeterred Shri Satpal Singh fired three rounds from his revolver. He thereafter took position at the back of the car and fired three more rounds, without regard to his danger. Shri Satpal Singh then changed his tactical position and took up a position behind a pillar of the building and shouted to the criminals. One of the criminals again came out of the car and started firing. In the meantime one of the criminals, namely, Nagra who had been caught by the police managed to free himself and came into the car. The car with the criminals then drove away. Shri Satpal Singh chased them and fired at the fleeing car. Shri Satpal Singh continued to chase the car upto the Ring Road-Mehrauli Road-Crossing but due to the rush of the vehicles and darkness the car escaped. Next morning the dead body of one of the criminals involved in the incident namely, Rajbir Singh was recovered from the abandoned car near village Chiragh Delhi.

In this encounter with the notorious criminals, Assistant Sub Inspector Satpal Singh exhibited conspicuous gallantry initiative and extreme devotion to duty at the risk of his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th March, 1979.

No. 15-Pres/80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and ranks of the officers

Shri R. N. Pandey, Deputy Superintendent of Police, Etah, Uttar Pradesh.	(Deceased)
Shri Mohan Lal Gautam, Head Constable No. 13, Civil Police, District Etah, Uttar Pradesh.	(Deceased)
Shri Ram Dass, Constable, 81 Armed Police, District Budaun, Uttar Pradesh.	(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the morning of the 9th January, 1978, Shri Mohan Lal Gautam, Head Constable, incharge of the Qudarganj Police Outpost, Sikanderpur Vaish in Etah district received information that dacoit Bhagwan Singh Kachhi, who was wanted in a number of cases of dacoity and murder, had committed three dacoities, two on the night of the 8/9th January, 1978, and the third at Ganga Ghat at about 6.00 on the morning of the 9th January, 1978. Shri Gautam collected the available police force and some of the arms licencees of the area and rushed to Ganga Ghat. He also sent information to the Superintendent of Police Etah. Before the arrival of Shri Gautam, however the gang had already crossed the Ganges and had entered Budaun District. Shri Mohan Lal Gautam crossed the river along with his men in pursuit. The police party came across the dacoit gang in the 'Kator' of the river where an exchange of fire took place between the police and the desperadoes. The dacoits divided themselves into two parties, one of whom re-entered Etah District after crossing the river while the other party was chased by Shri Ram Dass, an Armed Police Guard. The Gang which had escaped towards Budaun entered a sugarcane field near Nagla Pachauri village. The police party led by Constable Ram Dass with the help of the villagers surrounded the field and called upon the dacoits to surrender. The dacoits however started firing on the police party. In the exchange of fire, which ensued, Shri Ram Dass shot dead one of the dacoits. Thereafter, there was a lull in the firing by the dacoits. Shri Ram Dass along with some members of the Police party challenged the dacoits and in disregard of his personal safety advanced towards the sugarcane field and at the same time asked the dacoits to surrender. He located the dacoits and was about to shoot them but was hit by the fire opened by the dacoits and fell down dead. In the meantime, reinforcements in charge of Shri R. N. Pandey, Deputy Superintendent of Police reached Nagla Pachauri village in Budaun district. As this was hope that Shri Ram Dass might be still alive, Shri R. N. Pandey, who was leading the reinforcements entered the sugarcane field to bring back Constable Ram Dass and his rifle. Shri Pandey was able to reach Constable Ram Dass but found him dead. He brought the body of Shri Ram Dass along with his rifle out of the sugarcane field. Shri Pandey re-entered the sugarcane field along with the police party in order to apprehend the dacoits. When challenged by Shri Pandey the dacoits opened indiscriminate fire on the police party. Shri Pandey was hit by a bullet and died on the spot. One of the dacoits was apprehended. In the meantime, after crossing river Head

Constable Mohan Lal Gautam, who had been chasing the dacoits, divided the police party into two groups, one headed by Shri Gautam pursued the dacoits from the southern direction while the other party pursued them from the northern side. They overtook the dacoits near Bananpura village and challenged them. Shri Gautam called on the dacoits to surrender but the dacoits opened fire on the police party. During the exchange of fire, Shri Gautam exposed himself to grave danger a number of times. He was hit several times as a result of which at about 12.00 hours he fell down and died on the spot. The dacoits fled but later on, two of them were apprehended.

In this encounter Shri R. N. Pandey, Deputy Superintendent of Police; Shri Mohan Lal Gautam, Head Constable and Shri Ram Dass, Constable exhibited conspicuous gallantry, exceptional courage, initiative and devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 9th January, 1978.

K. C. MADAPPA, Secy.
to the President.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 27th December 1979

RESOLUTION

F. No. A-11013/194/79-Ad.IV.—In partial modification of the orders contained in Para 4 of the Resolution No. A-11013/181/77-Ad.IV, dated 28-9-1978, Resolution No. A-11013/181/77-Ad.IV, dated 26-3-1979 and Resolution No. A-11013/181/77-Ad.IV, dated 23-8-1979, the Government of India have allowed extension of time upto the end of March 1980 to the Central Excise Sugar Rebate Scheme (Review) Committee to submit its report.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

R. D. SHARMA, Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPTT. OF AGRICULTURE & COOPERATION)

New Delhi, the Decmber 1979

No. 14013/1/77-FR.—The Government of India have decided to wind up the "Suratgarh Farm Investment Evaluation Committee" with effect from the after-noon of 30th November 1979. The Committee was set up vide this Ministry's Resolution No. 11-33/68-FR(Vol. II), dated the 31st July 1976 and have submitted its report to the Government of India on 21-11-1979.

M. D. ASTHANA, Dy. Secy.

**MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)
RULES**

New Delhi, the 26th January 1980

No. 79/E(GR)I/1/7.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1980 for selection of candidates for appointment as 'Special Class Apprentices' in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists) (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes order (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who come over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1980, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1960, and not later than 1st January, 1964.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East

Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed areas and released as a consequence thereof, who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10+2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination, or
- (c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education, or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary Examination or the Pre-University or equivalent Examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year Examination is conducted by a University or;

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University approved by the Government of India; or
- (e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or
- (f) must have passed in the first year examination under the five year Engineering Degree Course of a University, provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a University; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 5th September, 1980.

NOTE III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to

the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

K. BALACHANDRAN.
Secy, Railway Board.

APPENDIX I

(SEE Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan:

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below :

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks. (Vide Rule 12).

4—421GI/78

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows—

Sl. No.	Subject	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	2 Hours	100
2.	General Knowledge	2 Hours	100
3.	Physics	2 Hours	100
4.	Chemistry	2 Hours	100
5.	Mathematics I— (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	2 Hours	100
6.	Mathematics II— (Calculus-Differential and Integral and Mechanics (Statics and Dynamics))	2 Hours	100
7.	Psychological Test	1 Hour	100
		Total	700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

SCHEDULE

ENGLISH.—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods. Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plants, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons, Climate, Weather Soil—its formation, erosion, Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions). Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars; Stupa Caves; Sanchi, Mathura and Gundharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—democracy, Secularism, socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of government—Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system : the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition; social control—reward and punishment, art, law, custom, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Castelism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

PHYSICS

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force; couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force : Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat : thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms; deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and Voltmeters; Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge. Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid electromagnet; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY*Physical Chemistry*

1. Atomic structure: Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle, s, p, d and F block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding: Electro-valent covalent, Coordinate covalent bonds. Bond Properties σ and π bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction : Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure. Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity. First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colloidal properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling point, Depression of freezing point, Osmotic Pressure. Raoult's law (Nonthermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis. Ionic equilibria. Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronsted's concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity : Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds.

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements. Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolitis semi-conductors. Glass (Elementary treatment).

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of Sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of fluorine chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group 0. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals; Nickel and manganese steels.

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and σ . π . bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation, properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel.

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform Carbon Tetrachloride, Chlorobenzene D.D.T. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols, Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom.

5. Ethers : Diethyl ether.

6. Aldehydes and Ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds. Azodyes.

8. Carboxylic acids : Formic, acetic, benzoic and salicylic acids acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Tejlod, Perspex, Artificial Rubber, Nylon, and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Fats and lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

*MATHEMATICS I**Algebra*

Number Systems—Natural numbers. Integers. Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors. Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors. H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients. Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutations and Combinations. Binomial Theorem for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y=a+bx+cx^2$ for given values of y at x , x^2 and x^3 .

Simultaneous linear inequations (in two unknowns) and their graphs. 2×2 Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix. Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulæ supplied, if necessary).

Trigonometry

Angles and their measures in degrees and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulæ. Sine, cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angle between two lines, Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission).

*MATHEMATICS II**Calculus (Differential and Integral)*

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivatives of sum, difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverses of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—Integration by (simple) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible)

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces. Composition and resolution of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission).

Psychological Test. The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II

REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATIONS OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigations and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates . .	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates . .	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will

be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fraction of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

- (i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.
- (ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates	6/6	6/12		
below 35 years	or	or	J I	J II
of age	6/9	6/9		

NOTE : (1)

- (a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed — 4.00D.
- (b) Total Hypermetropia, (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.
- (c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the results should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and

without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidates	16'	16'
2. Size of the aperture	1.3 mm	13 mm.
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness :

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) Squint. The presence of binocular vision is essential. Squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One eyed person.*—One eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. Blood Pressure :

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

*N.B.—*As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably, at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lowest edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after-complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required, they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed:—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The

following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

- (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. Any unhealed Perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.
- (iv) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/ both sides. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (v) Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.
- (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
 - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
 - (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit.
 - (iii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
 - (iv) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.
- (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.
- (ix) Otosclerosis Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (x) Congenital defects of ear, nose or throat
 - (i) If not interfering with functions—Fit.
 - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
- (xi) Nasal Poly Temporarily Unfit.
 - (b) that his/her speech is without impediment;
 - (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);
 - (d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;
 - (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
 - (f) that he/she is not ruptured;
 - (g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
 - (h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;
 - (i) that he/she does not suffer from any inveterate skin disease;
 - (j) that there is no congenital malformation or defect;
 - (k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
 - (l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical board.

Medical Board and their report.

The following intimations is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.
2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.
3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension of payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.
4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.
5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.
6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.
7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....
.....
.....

2. State your age and birth place

.....
.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

4. (a) Have you ever had smallpox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

5. When were you last vaccinated?

.....

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption, scrofula, gout, asthma, fits, epilepsy, or insanity?

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause?

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age If living and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
.....

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
.....

9. Have you been examined by a Medical Board before?

10. If answer to the above is yes, please state what Service/services you were examined for?

11. Who was the examining authority?

12. When and where was the Medical Board held?

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence.....

Signature of Chairman of the Board

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General Development :

Good..... Fair..... Poor.....

Nutrition : Thin average..... obese.....

Height (without shoes)

Weight Best Weight

When ? Any recent change in weight ?

Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour Vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses
Distant vision	R.E. L.E.		Sph. Cyl. Axis
Near vision	R.E. L.E.		
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection..... Hearing.....
Right Ear..... Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully

8. Circulatory System :	
(a) Heart : Any organic lesions ?	
Rate : Standing	After hopping 25 times
	2 minutes after hopping
Blood pressure;	Systolic :
Diastolic :	Tenderness
9. Abdomen Girth	Hernia
(a) Palpable : Spleen.....	Liver
Tumours	Kidneys.....
(b) Haemorrhoids	Fistula
10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.	
11. Loco Motor System : Any Abnormality	
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocèle etc.	
Urine Analysis :	
(a) Physical appearance	(b) Sp. Gr.
	(c) Albumen
(d) Sugar	(e) Casts
(f) Cells	
13. Report of X-ray examination of Chest.	
14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?	

Note :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date

Place

President.....
Member.....

APPENDIX III

Conditions of Apprenticeship for Special Class Apprentices Selected through this Examination

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment manual, brief particulars of which are given below :

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Apprentice shall execute an agreement in the prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers. If offered to him, to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by the Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training. If their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from

the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE.—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the Council of Engineering Institutions' Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will, depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE.—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE.—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examinations of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examinations he has obtained a minimum 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

PARTICULARS REGARDING THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later.

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass parts I & II of AMIE (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE.—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period, they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the test, their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examinations within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended to failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi. Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption, can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required by liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any—

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationer;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers—

- (a) will be eligible to pensionary benefits, and

- (b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund;

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 3 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600/-.

Junior Administrative Grade : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000/-.

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500, (ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training, their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotions to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

